हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 309 : जौनपुर, गुरुवार 10 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

श्रीकृष्ण जन्मस्थान के पास चला बुलडोजर

मथुरा (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बुधवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान के पास प्रशासनिक अधिकारी बुलडोजर लेकर पहुंच गए। लोगों ने देखा तो कौतूहलवश भीड़ लग गई। सच का पता चला उनके होश उड़ गए। देखते देखते ही बुलडोजर अपना काम करने लगे और वहीं बने घर ढहने लगे। मामला श्रीकृष्ण जन्मस्थान पास स्थित नई बस्ती का है। यहां बुधवार को सुबह ही पुलिस टीम के साथ जीआरपी, आरपीएफ के जवान पहुंच गए। उनके साथ कई बुलडोजर भी थे। लोगों ने देखा तो घरों से बाहर आ गए। इसी बीच एक आवाज सुनाई दी कि यहां से दूर हट जाएं। पहले से दिए गए निर्देशों के आधार पर आज यहां बने घर गिराए जाएंगे। यह सुनकर लोगों के होश उड़ गए। दरअसल यहां जो घर बनाए गए थे, वह रेलवे की जमीन पर अवैध तरीके से बनाए थे। इसके लिए रेलवे प्रशासन की तरफ से बीती सात जून को अतिक्रमणकारियों को नोटिस भी दी गई थी। एक महीने में जगह खाली करने के निर्देश दिए गए थे। एक महीने से अधिक होने पर भी जब कब्जा नहीं हटाया गया तो प्रशासन ने उसे बुलडोजर से धराशायी करा दिया

वरुण गांधी ने पुलिस पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने बरेली जनपद की बहेड़ी कोतवाली पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। बहेड़ी पुलिस के खिलाफ आए दिन मिल रहीं शिकायतों को लेकर भाजपा सांसद ने डीजीपी को पत्र लिखा है। जिसमें आरोप लगाया कि पुलिस की मिलीभगत से बहेड़ी क्षेत्र में नशे और जुआ का काला कारोबार फल फूल रहा है। उन्होंने डीजीपी से पुलिस के खिलाफ जांच कराने की मांग की है। सांसद वरुण गांधी ने कहा है कि बहेड़ी विधानसभा क्षेत्र से आए दिन पुलिस की शिकायतें मिल रही हैं। पुलिस के संरक्षण में गोकशी, जुआ और नशे का कारोबार चल रहा है, जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बाद हो रहा है। क्षेत्र के लोगों के साथ बहेड़ी कोतवाली पुलिस का रवैया ठीक नहीं है। कोतवाली में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। बहेड़ी क्षेत्र में हो रहे अवैध धंधों पर कार्रवाई न होना चिंता की विषय है।

मायावती ने पूरे देश में जातीय जनगणना की मांग की

लखनऊ (एजेन्सी)। लोकसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने बड़ा दाव खेला है। उन्होंने जातीय जनगणना का मुद्दा उठाते हुए उत्तर प्रदेश के साथ–साथ पूरे देश में कराए जाने की मांग की। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि अब जब पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार द्वारा की जा रही जाति जनगणना को मंजूरी दे दी है, तो अब ध्यान उत्तर प्रदेश पर है जहां इसी तरह की जनगणना की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जाति जनगणना की मांग जोर पकड़ रही है लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा इसके लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि बसपा चाहती है कि पूरे देश में जातीय जनगणना हो।

संसद टीवी पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस ने बुधवार को सार्वजनिक प्रसारक संसद टीवी पर राहुल गांधी को कम स्क्रीन समय देने का आरोप लगाया। राहुल ने सांसद के रूप में बहाल होने के बाद पहली बार लोकसभा में बात की थी। कांग्रेस महासचिव प्रभारी (संचार) जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि अनुचित अयोग्यता से वापस आने के बाद अपने पहले भाषण में, राहुल गांधी ने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान दोपहर 12रू09 बजे से 12रू46 बजे तक यानी 37 मिनट तक बात की। जिसमें से संसद टीवी कैमरे ने उन्हें केवल 14 मिनट 37 सेकंड के लिए दिखाया। यह 40: से भी कम स्क्रीन समय है! मोदी किससे डरते हैं? कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि ”यह और भी बदतर हो जाता है!

मुख्यमंत्री योगी ने मेरी माटी मेरा देश अभियान का किया शुभारंभ, काकोरी के शहीदों को किया नमन

लखनऊ (एजेन्सी)। आप जिस क्षेत्र में है उसमें बेहतर करें, अपने कर्तव्यों का सही से निर्वहन करें। यही नागरिक कर्तव्य है यही सच्ची राष्ट्र भक्ति है। विभाजन की त्रासदी का स्मरण करें और संकल्प ले कि हम फिर से विभाजन नही होने देंगे। यही शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिस ब्रिटेन ने हम पर 200 वर्षों तक राज किया उसको हराकर आज भारत विश्व मे पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। ये बाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर कही। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर मेरी माटी मेरा देश अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कार्यक्रम में आये सभी लोगों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए पंच प्रण को लेकर अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने को कहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर काकोरी शहीद स्मारक पहुंच कर शहीद मंदिर में स्थापित शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यर्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने मेरी माटी मेरा देश अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने आह्वान किया कि कार्यक्रम से जुड़े लोग अपनी जगह पर खड़े होकर अपनी माटी को नमन करें , सेल्फी लें और उसे लोड करें। उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बताए गए पंच प्रण की शपथ कार्यक्रम में आये लोगो को दिलाई । उन्होंने कहा कि आज ही भारत छोड़ो आंदोलन की भी वर्षगांठ है साथ ही अन्य ऐतिहासिक घटनाओं के लिए आज के दिन का स्मरण किया जाता है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़कर मेरी माटी मेरा देश अभियान की शुरुआत हो रही है। सीमा पर व आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने वाले शहीदों का नमन है। आजादी के महोत्सव ने एक ऐसे भारत का दर्शन कराया है जहां किसी के साथ भेदभाव नहीं है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रत्येक भारतीय के पास अवलोकन करने का अवसर है। आगामी 25 वर्षो के अमृत काल से जुड़ने का भी अवसर है। जिस स्थल पर शहीदों ने काकोरी ट्रेन एक्शन को अंजाम दिया उसी स्थल से मेरी माटी मेरा देश अभियान को शुरू करने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन में कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीदों ने करीब चार हजार रुपये लूटे थे। उन शहीदों की गिरफ्तारी के लिए ब्रिटिश सरकार ने 10 लाख रुपये खर्च किये थे। अगर लड़ने का जज्बा हो तो बड़ी से बड़ी ताकत को हिलाया जा सकता है। आज भारत शक्तिशाली देशों के समूह जी –20 की अध्यक्षता कर रहा है। आज भारत आत्मनिर्भर है। विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाने वाला भारत है। आगामी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक अनेक कार्यक्रम होंगे। हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ना है। जिस तिरंगे के लिए अनगिनत क्रांतिकारी बलिदान हुए उसी तिरंगे को हर घर फहराना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी जनजातियों को सम्मान देने के लिये बिरसा मुंडा की जयंती को आदिवासी जन जातीय दिवस घोषित किया साथ ही बिरसा मुंडा के संकल्पो को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शहीद स्मारक पर काकोरी अमृत वाटिका की भी स्थापना की। इस वाटिका में 75 पौधों का रोपण हुआ।

पुरानी पेंशन योजना पर योगी सरकार ने दिया जवाब, किसानों को मुफ्त बिजली देने के संकेत

लखनऊ (एजेन्सी)। यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र जारी है। सत्र के तीसरे दिन वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने नई पेंशन योजना को लेकर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि नई पेंशन योजना से कर्मचारियों को पुरानी पेंशन से ज्यादा फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने नई पेंशन योजना (एनपीएस) में कर्मचारियों को बड़ी राहत भी दी है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन लागू करने का कोई विचार नहीं है।

सपा के विधायकों ने वित्त मंत्री के जवाब से असंतोष जाहिर करते हुए बहिर्गमन किया। सपा विधायक ने नियमावली उल्लंघन पर जुर्माना कम करने की अपील की यूपी विधानसभा में नई नियमावली पर चर्चा शुरू हुई। सपा विधायक लालजी वर्मा ने संशोधन प्रस्तुत करते हुए नियमावली का उल्लंघन करने पर जुर्माना 50000 की जगह 5000 रुपये करने सहित अन्य सुझाव दिए। भाजपा विधायक मानवेन्द्र सिंह ने विधायकों से फोन पर हुई बातचीत को सोशल मीडिया पर वायरल करने को विशेषाधिकार हनन में शामिल करने का प्रस्ताव रखा। विधायकों ने सदन की कार्यवाही अधिक दिन चलाने और प्रश्नकाल का समय एक घंटे 20 मिनट से बढ़ाकर दो घंटे करने का सुझाव दिया। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने जल्द ही किसानों के कृषि कनेक्शन पर मुफ्त बिजली देने के संकेत दिए हैं।

उन्होंने विधानसभा में कहा कि जल्द ही विपक्षी दल के सदस्य सदन में किसानों को कृषि कनेक्शन पर मुफ्त बिजली देने के लिए सरकार को बधाई देंगे। नए नियमों में यह भी कहा गया है कि विधायकों को सदन में प्रवेश करते या बाहर निकलते समय अध्यक्ष की कुर्सी की ओर झुकना चाहिए और अपनी पीठ नहीं दिखानी चाहिए। सत्र आहूत करने की अवधि 14 दिन से घटाकर सात दिन कर दी गई है।

कमल नाथ के बयान को लेकर तेज हुई एमपी की राजनीति

सीएम शिवराज और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी समारोह को लेकर कमल नाथ पर निशाना साधा चौहान ने कमल नाथ को मंझा हुआ भक्त बताया

मध्य प्रदेश (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के बयान को लेकर राजनीतिक बवाल शुरू हो गया है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री को तीन दिवसीय धार्मिक समारोह के लिए अपने गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा में आमंत्रित करने के लिए उनके खिलाफ आलोचना हो रही है। धीरेंद्र शास्त्री भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि यह कहने की कोई जरूरत नहीं है कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है क्योंकि 82 प्रतिशत भारतीय हिंदू हैं। कमल नाथ का बयान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता शिवानंद तिवारी के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सहित दो दर्जन विपक्षी दलों के गठबंधन, इंडिया की विचारधारा के खिलाफ व्यवहार कर रहे हैं। शिवानंद तिवारी ने कांग्रेस आलाकमान से इस मामले को स्पष्ट करने और कमलनाथ को तलब करने का अनुरोध किया। वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी समारोह को लेकर नाथ पर निशाना साधा। चौहान ने कमल नाथ को मंझा हुआ भक्त बताया। उन्होंने कहा, ”चुनाव आ रहे हैं, और वे (कांग्रेस नेता) चुनावी भक्ति दिखा रहे हैं। ऐसा करने के लिए वे मजबूर हैं। जिन लोगों ने भगवान राम का नाम लेने से इनकार कर दिया और उन्हें कल्पना कहा, वे अब कहानियां और हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं। मिश्रा ने कहा, कांग्रेस आलाकमान को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावी हिंदू कमलनाथ जी अब हिंदुओं की ताकत समझ चुके हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने बीते मंगलवार को पूछा कि क्या यह अलग से कहने की जरूरत है कि भारत एक ''हिंदू राष्ट्र'' है, जबकि तथ्य यह है कि इस देश में 82 प्रतिशत हिंदू रहते हैं। आध्यात्मिक उपदेशक धीरेंद्र शास्त्री की भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की कथित मांग के बारे में पूछे जाने पर कमलनाथ ने कहा, ''दुनिया की सबसे बड़ी हिंदू आबादी हमारे देश में रहती है। यहां 82 फीसदी हिंदू हैं। यह कोई बहस का मुद्दा नहीं है। ये बताने वाली बात नहीं है। ये आंकड़े हैं...इसे अलग से कहने की क्या जरूरत है।" 'बागेश्वर धाम सरकार' के नाम से भी लोकप्रिय शास्त्री का आध्यात्मिक प्रवचन कमलनाथ के गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा में आयोजित किया गया था, जो सोमवार को संपन्न हुआ। वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी समारोह को लेकर नाथ पर निशाना साधा। चौहान ने कमल नाथ को मंझा हुआ भक्त बताया। उन्होंने कहा, ”चुनाव आ रहे हैं, और वे (कांग्रेस नेता) चुनावी भक्ति दिखा रहे हैं। ऐसा करने के लिए वे मजबूर हैं। जिन लोगों ने भगवान राम का नाम लेने से इनकार कर दिया और उन्हें कल्पना कहा, वे अब कहानियां और हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं।

ज्ञानवापी सर्वे का 7वां दिन, मुस्लिम पक्ष ने फिर से बैन की मांग करते हुए किया अदालत का रुख

वाराणसी (एजेन्सी)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने लगातार सातवें दिन वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण जारी रखा ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना पर किया गया था। इस बीच, मुस्लिम याचिकाकर्ताओं ने जिला अदालत के न्यायाधीश के समक्ष एक आवेदन दायर कर सर्वेक्षण के मीडिया कवरेज पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। मुस्लिम पक्ष ने अपने आवेदन में कहा कि एएसआई का सर्वे कोर्ट के आदेश पर चल रहा है और किसी भी अधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। लेकिन सोशल मीडिया, टेलीविजन और अखबारों में सर्वेक्षण की लगातार कवरेज हो रही है। मुस्लिम पक्ष ने एक बार फिर मांग की है कि एएसआई द्वारा किए गए सर्वेक्षण पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए और जिला अदालत में एक आवेदन दायर किया है। मुस्लिम पक्ष ने अपने आवेदन में तर्क दिया है कि सामान्य नागरिक नियमों के नियम 70 के अनुसार, आयोग की कार्यवाही शुरू होने से पहले कमीशन की लागत अदालत में अग्रिम रूप से जमा करनी होगी। यही दलील आज इलाहाबाद हाई कोर्ट में भी पेश की गई लेकिन सीजेआई ने सर्वे जारी रखने का आदेश दिया था।

अमित मालवीय ने लोक सभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर साधा निशाना

मालवीय ने कांग्रेस और अन्य भारतीय गठबंधन सांसदों - गौरव गोगोई, सुप्रिया सुले और डिंपल यादव पर भी हमला किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ पर भाई–भतीजावाद से छुटकारा पाने का आह्वान करते हुए, भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने लोकसभा में अपने बहुप्रतीक्षित भाषण से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर ताजा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी सोचते हैं कि प्रधानमंत्री बनना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है, बिना इस बात का एहसास किए कि महत्वाकांक्षी भारत उन्हें पहले ही कई बार खारिज कर चुका है। मालवीय ने कांग्रेस और अन्य भारतीय गठबंधन सांसदों – गौरव गोगोई, सुप्रिया सुले और डिंपल यादव पर भी हमला किया, जिन्होंने अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के पहले दिन संसद में बात की थी। अमित मालवीय ने कहा, ये सभी वंशवाद प्रासंगिक हैं क्योंकि वे शक्तिशाली राजनीतिक परिवारों से संबंधित हैं और उनका एकमात्र हित अपने गढ़ की रक्षा करना है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि कल विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने वालों में शामिल थे – दिवंगत कांग्रेस नेता और असम के पूर्व सीएम तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई – एनसीपी प्रमुख शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले – एसपी अध्यक्ष की पत्नी डिंपल यादव अखिलेश यादव। ये सभी राजवंश प्रासंगिक हैं क्योंकि वे शक्तिशाली राजनीतिक परिवारों से संबंधित हैं और उनका एकमात्र हित अपने क्षेत्र की रक्षा करना है। लोगों का कल्याण और भारत का विकास उनकी सबसे कम चिंता है। राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि बोलने की कतार में अगले हैं राहुल गांधी, जो पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बेटे, इंदिरा के पोते और नेहरू के परपोते हैं। वह स्पष्ट रूप से सोचते हैं कि प्रधान मंत्री बनना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है, बिना यह जाने कि महत्वाकांक्षी भारत उन्हें पहले ही कई बार अस्वीकार कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, श्भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे स्व–निर्मित नेता की जरूरत है, जो एक साधारण पृष्ठभूमि से निकले, उन्होंने बड़े स्तर पर काम किया और कड़ी मेहनत के दम पर आज देश के शीर्ष राजनीतिक पद पर हैं!ष इससे पहले दिन में, पीएम मोदी ने भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ के अवसर पर विपक्ष पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि भारत अब भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ एक स्वर में बोल रहा है। अमित मालवीय ने कहा, ये सभी वंशवाद प्रासंगिक हैं क्योंकि वे शक्तिशाली राजनीतिक परिवारों से संबंधित हैं और उनका एकमात्र हित अपने गढ़ की रक्षा करना है।

राहुल का मोदी सरकार पर निशाना, कहा आपने मणिपुर में भारत माता की हत्या की है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मणिपुर हिंसा को लेकर अविश्वास प्रस्ताव पर आज दूसरे दिन की शुरूआत हो चुकी है। दूसरे दिन की अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरूआत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने की। राहुल गांधी जैसे ही अपना संबोधन शुरू किया हंगामा होने लगा। सबसे पहले, मैं आपको धन्यवाद देना चाहूंगा कि आपने मुझे (लोकसभा सदस्य के रूप में) बहाल किया। इसके साथ ही राहुल गांधी ने भाजपा पर कटाक्ष किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि जब मैंने पिछली बार बात की थी, तो शायद मैंने आपको परेशानी दी थी क्योंकि मैंने अडानी पर ध्यान केंद्रित किया था। शायद आपके वरिष्ठ नेता को दुख हुआ। उस दर्द का असर आप पर भी हुआ होगा। इसके लिए मैं आपसे माफी मांगता हूं। लेकिन मैंने सच बोला। आज बीजेपी के मेरे दोस्तों को डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज मेरा भाषण अडानी पर नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं मरने को तैयार हूं, मैं मोदी की जेल जाने को तैयार हूं और 10 साल तक आरोपों का सामना करने को तैयार हूं, यह अहंकार के खिलाफ लड़ाई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर में जारी हिंसा पर पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा, मैं मणिपुर गया था।

मणिपुर न खंडित था, न होगा, राहुल गांधी पर स्मृति ईरानी का पलटवार

आपको बता दें कि राहुल गांधी ने कहा कि उनकी मां की मणिपुर में हत्या कर दी गई है और एनडीए सरकार ने मणिपुर को विभाजित कर दिया है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एनडीए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पहली बार किसी सांसद ने भारत माता की मृत्यु की बात कही और उनके गठबंधन के सदस्यों ने तालियां बजाईं। आपको बता दें कि राहुल गांधी ने कहा कि उनकी मां की मणिपुर में हत्या कर दी गई है और एनडीए सरकार ने मणिपुर को विभाजित कर दिया है। स्मृति ईरानी ने कहा, आप इंडिया नहीं हैं क्योंकि भारत भ्रष्ट नहीं है। भारत वंशवाद में नहीं योग्यता में विश्वास करता है और आज आप जैसे लोगों को यह याद रखने की जरूरत है कि अंग्रेजों से क्या कहा गया था – क्विट इंडिया। भ्रष्टाचार क्विट इंडिया, वंशवाद क्विट इंडिया। योग्यता को अब भारत में जगह मिलेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मणिपुर न खंडित था, न होगा। स्मृति ईरानी ने अपना हमला जारी रखते हुए 90 के दौर के कश्मीर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में एक कश्मीरी पंडित – गिरिजा टिक्कू – के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। जब इसे एक फिल्म में दिखाया गया तो कुछ कांग्रेसी नेताओं ने इसे प्रोपेगेंडा बताया। वही पार्टी के नेता आज न्याय की बात कर रहे हैं। स्मृति ईरानी ने संसद में कहा, राजस्थान में महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं। भीलवाड़ा इसका ताजा उदाहरण है। लड़की के साथ बलात्कार किया गया, उसके शरीर को काट दिया गया और कुछ हिस्सों को भट्टी में फेंक दिया गया। ये सब हुआ एक 14 साल की लड़की के साथ। पश्चिम बंगाल में भी महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। लेकिन उस पर कुछ नहीं कहा गया। स्मृति ईरानी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों और कश्मीर में अशांति के मुद्दे उठाए जब देश में कांग्रेस का शासन था। उन्होंने कहा,श्आज सदन में कहा गया कि उन्होंने (राहुल गांधी) यात्रा की और आश्वासन दिया कि अगर उनका बस चले तो वे अनुच्छेद 370 को फिर से बहाल करेंगे...जो व्यक्ति सदन से भाग गया है, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि कोई भी ऐसा नहीं करेगा देश में धारा 370 बहाल होगी और न ही कश्मीरी पंडितों को रालिब गालिब चलीब से धमकाने वालों को बख्शा जाएगा।

दिल्ली सेवा विधेयक के समर्थन के लिए केजरीवाल ने खड़गे-राहुल का किया धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली सेवा विधेयक के खिलाफ संसद में उनकी पार्टी का समर्थन करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त किया। विवादास्पद विधेयक केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के लिए विपक्षी दल को एक साथ लाने का एक रैली स्थल बन गया था। हालाँकि, संसद ने सहज मतों से विधेयक को मंजूरी दे दी। खड़गे और राहुल को लिखे पत्र में, दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 को खारिज करने और उसके खिलाफ मतदान करने में उनकी पार्टी के समर्थन के लिए दिल्ली के लोगों की ओर से उन्हें धन्यवाद दिया। पत्र में, केजरीवाल ने कहा, मैं जीएनसीटीडी (संशोधन) विधेयक, 2023 को अस्वीकार करने और उसके खिलाफ मतदान करने में आपकी पार्टी के समर्थन के लिए दिल्ली के 2 करोड़ लोगों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए आपको लिखता हूं।

सम्पादकीय

देश भर में हिंसा और विवाद को मिल रहा बढ़ावा

आजकल निजी पारिवारिक जीवन और सार्वजनिक सामाजिक जीवन के तेजी से बदलते परिवेश में बड़ी भयावह घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। ऐसे घटनाक्रम मनुष्य होने के मूल भाव को ही तिरस्कृत तथा अपमानित करने वाले हैं। पिछले दिनों में प्रेमियों का लिव–इन में रहना और फिर उसी प्रियजन की बर्बर हत्याओं की घटनाएं देश के कई कोनों से आईं। ऐसे ही पत्नी द्वारा प्रेमी की सहायता से पति की जान लेने जैसी भयानक वारदात की खबरें भी आती रहती हैं। कई मामलों में यह उलटा भी होता है और पीड़ित पत्नी या प्रेमिका होती है, जहां पति या प्रेमी कोई जघन्य वारदात को अंजाम देता है। दुष्कर्म में व्यक्ति और समूह के स्तर पर लिप्त होने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। ये सभी स्वार्थ के लिए रिश्तों की गहराती टूटन और आपसी भरोसे को कलंकित करने वाली घटनाएं हैं। चिंता की बात यह है कि ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। वे बार–बार और जगह–जगह हो रही हैं। इससे हमारा सामाजिक तानाबाना बिगड़ रहा है। उसमें गांठें पड़ रही हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति देश के सार्वजनिक जीवन में भी घटित होती दिख रही है। देश के अनेक क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं घटित हो रही हैं जो दिल दहला देने वाली हैं। शायद ही देश का कोई ऐसा राज्य हो जहां से अप्रिय खबरें न आ रही हों। फिर भी, हाल में बंगाल, बिहार, राजस्थान और मणिपुर सबसे अधिक गलत कारणों से चर्चा में रहे। मणिपुर में जारी हिंसा ने समूचे राष्ट्र की पेशानी पर बल डाल दिए हैं। वहां महिलाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार ने देश की छवि को पूरी दुनिया में कलंकित करने का काम किया है। कला एवं सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध मणिपुर का घटनाक्रम समाज और सरकार दोनों में गहराई से पैठ कर चुकी जड़ता, अविश्वास और घोर निष्क्रियता को ही उजागर कर रहा है। राज्य का परिदृश्य यही संकेत करता है कि यहां कानून एवं व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आम जन भय और दहशत के साये में जीने को विवश हैं। मणिपुर में मैतेयी और कुकी दोनों समुदायों की अस्मिता एवं उससे जुड़े हितों को न समझना और उनकी उपेक्षा करना खतरनाक साबित हुआ। मनुष्य अब अधिकाधिक अस्मिताजीवी होता जा रहा है। एक जैसी अस्मिताएं यदि आपस में जोड़ती हैं तो दूसरे समुदायों से तोड़ती भी हैं। हम अपने समुदाय को श्रेष्ठ और दूसरे को खराब साबित करने में जुट जाते हैं। इस दौड़ के अगले पड़ाव में दोनों अस्मिताओं वाले लोग एक दूसरे के दुश्मन होने लगते हैं। वे उनसे बड़ी अस्मिताओं जैसे मनुष्य होना या भारतीय होने को भूलने लगते हैं। बड़ी अस्मिताओं के साथ जुड़ना और अपने को पहचानना साझेदारी पर टिका होता है और उनमें परस्पर निर्भरता और पूरकता का रिश्ता होता है। वहीं, अलग और खास होती अस्मिताएं तकरार का कारण बनती हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा एवं म्यांमार से निकटता के कारण मणिपुर का मुद्दा और जटिल हो जाता है। इसलिए मणिपुर की समस्या को वहां के भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ में समझना होगा। साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का राजनीतिक संदर्भ देखना भी जरूरी होगा। हम इस उभरते माहौल को अनदेखा नहीं कर सकते जो विभिन्न प्रदेशों में दिख रहा है, जिसमें संवाद की जगह हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है। दुर्भाग्य यह है कि अब हिंसा का राजनीतिक इस्तेमाल नैतिकता की हदें पार करता जा रहा है। स्थिति के प्रति उदासीन नेता उसका लाभ उठाने से भी नहीं चूकते। मणिपुर के मामले की गूंज संसद में कैसे गूंजे और उस गूंज का श्रेय कैसे लिया जाए अब यही मुख्य राजनीतिक प्रश्न बन गया है। पीड़ितों–प्रभावितों के दुख–दर्द, पीड़ा और मुश्किलों को कैसे कम किया जाए, सामान्य जनजीवन कैसे बहाल हो और लोग इधर–उधर शिविरों को छोड़ अपने–अपने घरों में वापस लौट आएं, ये सभी प्रश्न गौण हो चले हैं। राजनीतिक रणनीतिकारों का सरोकार अगले चुनाव के लिए सिर्फ वोट बटोरने तक सीमित होता है। राजनीतिक बिरादरी संसदीय दायित्वों से पल्ला झाड़ रही है। वहां सार्थक विमर्श के अलावा सब कुछ हो रहा है। पूरा मानसून सत्र अड़ियल रवैये से उपजे संसदीय गतिरोध की भेंट चढ़ता दिख रहा है। मणिपुर के घटनाक्रम की गंभीरता सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों खेमों के सांसदों ने स्वीकारी, लेकिन उस पर आवश्यक चर्चा के लिए दोनों खेमे सहमति के किसी बिंदु पर नहीं पहुंच सके। स्थिति यही है कि बातचीत से बात बनती नहीं दिख रही और वेबात की बात करने में अपनी चतुराई दिखाने में हम लोग आगे चल रहे हैं।

बुलडोजर की कार्रवाई, अवैध निर्माण करने वालों के साथ जिम्मेदार अधिकारी भी हों दंडित

नूंह में हिंदू संगठनों की जलाभिषेक यात्रा पर हमला करने वाले दंगाइयों और उनके ठिकाने बने भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई का स्वतः संज्ञान लेते हुए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने जिस तरह रोक लगाई, उससे उपद्रवी तत्वों को ऐसा कोई संदेश नहीं जाना चाहिए कि उन्हें अपने किए की सजा नहीं मिलेगी। उच्च न्यायालय ने यह रोक संभवतः इसलिए लगाई, क्योंकि अभी पुलिस ने अपनी जांच पूरी नहीं की है और यह सिद्ध नहीं कर सकी है कि जिन लोगों के घर अथवा दुकानें तोड़ी जा रही हैं, वे वास्तव में दंगे में शामिल थे। यह संभव है कि उच्च न्यायालय ने यह अनुभव किया हो कि पूरी छानबीन के बिना बड़े पैमाने पर बुलडोजर की कार्रवाई उचित नहीं है और इसीलिए उसकी ओर से यह टिप्पणी की गई कि नूंह में एक वर्ग विशेष को निशाना बनाया जा रहा है। जो भी हो, अच्छा होता कि उच्च न्यायालय इस भीषण सांप्रदायिक हिंसा का भी स्वतः संज्ञान लेता। फिलहाल यह कहना कठिन है कि दंगाइयों के ठिकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई पर न्यायालय अपना क्या फैसला देगा, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि सुनियोजित साजिश के तहत फैलाई गई हिंसा में शामिल तत्वों को समय रहते सख्त सजा देने की आवश्यकता है। इस पर भी विचार होना चाहिए कि क्या दंगाइयों, अपराधियों और माफिया तत्वों के घरों को बुलडोजर से ढहाकर विधिसम्मत तरीके से त्वरित न्याय किया जा सकता है? इसमें संदेह नहीं कि जब ऐसे तत्वों के घर अथवा उनकी अन्य संपत्ति पर बुलडोजर चलते हैं तो आम जनता को संतुष्टि मिलती है। इस संतुष्टि का कारण यह है कि प्रचलित कानूनी तौर–तरीकों से अपराधियों और माफिया तत्वों को यथाशीघ्र सजा देना कठिन कार्य बनकर रह गया है। यही कारण है कि देश के कई हिस्सों में अपराधी और माफिया तत्वों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलने लगे हैं। इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि जब किसी अपराधी तत्व का घर, दुकान अथवा अन्य कोई भवन ढहाया जाता है तो उसके साथ–साथ अन्य लोग भी प्रभावित होते हैं। इनमें वे भी होते हैं जिनकी किसी भी अपराध में कोई संलिप्तता नहीं होती। आम तौर पर अपराधियों के ठिकानों को ध्वस्त करते समय यह तर्क दिया जाता है कि उसने अवैध निर्माण किया था, लेकिन अपने देश में तो इस तरह का काम बहुत सारे ऐसे लोग भी करते हैं जिनका अपराध से कोई लेना–देना नहीं होता। उच्च न्यायालय को इस मामले में आगे की कार्रवाई इस तरह करनी चाहिए जिससे दंगाइयों के दुस्साहस का दमन करने में न तो कोई बाधा पैदा हो और न ही देरी हो। जहां तक अवैध निर्माण अथवा अतिक्रमण की बात है तो यह पूरे देश की समस्या है। मानकों के विपरीत निर्माण और अतिक्रमण जब हो रहा होता है तो संबंधित नगर निकायों के लोग या तो इनकी अनदेखी करते हैं या कुछ ले–देकर यह सब होने देते हैं। अवैध निर्माण और अतिक्रमण के लिए नगर निकाय जैसी संस्थाएं दोषी हैं। उचित यह होगा कि अवैध निर्माण करने वाले लोगों पर कार्रवाई के साथ ही नगर निकायों के उन अफसरों और कर्मचारियों को भी दंडित किया जाए जो इनकी जानबूझकर अनदेखी के जिम्मेदार हैं। फिलहाल यह कहना कठिन है कि दंगाइयों के ठिकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई पर न्यायालय अपना क्या फैसला देगा, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि सुनियोजित साजिश के तहत फैलाई गई हिंसा में शामिल तत्वों को समय रहते सख्त सजा देने की आवश्यकता है। इस पर भी विचार होना चाहिए कि क्या दंगाइयों, अपराधियों और माफिया तत्वों के घरों को बुलडोजर से ढहाकर विधिसम्मत तरीके से त्वरित न्याय किया जा सकता है? इसमें संदेह नहीं कि जब ऐसे तत्वों के घर अथवा उनकी अन्य संपत्ति पर बुलडोजर चलते हैं तो आम जनता को संतुष्टि मिलती है।

विदेशी षड्यंत्रों को समझना होगा

प्रह्लाद सबनानी

परंतु, कुछ हद तक तो उन्हें सफलता मिली ही थी, जिसके चलते भारतीय नागरिक अपने श्स्वश के भाव को भूलकर पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित हुए थे और ऐसा सोचने लगे थे कि पश्चिम से आई हुई कोई भी चीज वैज्ञानिक एवं आधुनिक है। जिसका परिणाम देश आज भी भुगत रहा है। जबकि ब्रिटेन, जापान, इजराइल, जर्मनी, अमेरिका जैसे देशों ने तो अपने नागरिकों में श्स्वश के भाव को जगाकर ही अपने आप को विकसित देशों की श्रेणी में शामिल करने में सफलता पाई थी। अंग्रेजों ने उस खंडकाल में अपनी नीतियां ही इस प्रकार की बनाई थीं कि भारतीय नागरिक आपस में जाति और पंथ के नाम पर लड़ते रहें ताकि उन्हें भारत पर शासन करने में आसानी हो। जबकि आज विश्व भर में स्थिति यह है कि सनातन भारतीय संस्कारों को वैज्ञानिक माना जा रहा है, एवं कई वैश्विक समस्याओं के हल हेतु भारत की ओर आशाभारी नजरों से देखा जा रहा है।

भारतीय सनातन संस्कृति की अपनी कुछ विशेषताएं हैं, जिनके पालन से भारत आर्थिक क्षेत्र में चंहुमुखी विकास करता दिखाई दे रहा है। परंतु, कुछ देश भारत की आर्थिक प्रगति को प्रतिस्पर्धा के नजरिए से देखते हुए इसे पचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि आज भारत की विकास दर इन देशों से कहीं आगे निकल गई है जबकि इन देशों की न केवल विकास दर लगातार कम हो रही है बल्कि इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं मंदी की चपेट में आती दिखाई दे रही हैं। आज पूरे विश्व में भारतीय सनातन संस्कृति सबसे पुरानी संस्कृति मानी जा रही है, अतः वैश्विक स्तर पर कुछ देश एवं संस्थान मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति पर लगातार प्रहार करते दिखाई दे रहे हैं ताकि न केवल भारत के सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न किया जा सके बल्कि भारत की आर्थिक विकास दर को भी प्रभावित किया जा सके। हाल ही में, भारत के मणिपुर एवं हरियाणा जैसे राज्यों में हो रहे दंगे भी सम्भवतरू इसी साजिश का परिणाम दिखाई देते हैं। हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थान "फिच" ने अमेरिका की रेटिंग को ।।। से घटाकर ।.। कर दिया है। किसी भी देश की क्रेडिट रेटिंग के कम होने का आशय यह है कि निवेशक उस देश में निवेश करने के बारे में पुनर्विचार करने लगते हैं क्योंकि उस देश में निवेश करने में जोखिम बढ़ जाता है अतः उस देश को निवेश आकर्षित करने के लिए निवेशकों को अधिक ब्याज की दर का प्रस्ताव देना होता है। इस प्रकार, अमेरिका में विदेशी निवेश विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज संस्थान ष्मॉर्गन स्टैनलीष ने चीन, ताइवान और ऑस्ट्रेलिया पर आउटलुक को घटा दिया है। जबकि, भारत पर आउटलुक को बढ़ाकर श्ओवरवेटश कर दिया है। मॉर्गन स्टैनली का मानना है कि भारत में जारी आर्थिक सुधार कार्यक्रम का असर देश की बढ़ती विकास दर पर दिखाई देने लगा है। मैक्रो–स्टेबिलिटी, मजबूत पूंजीगत व्यय और वित्तीय संस्थानों की बढ़ती लाभप्रदता भारत की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूती प्रदान करती दिखाई दे रही है। ओवरवेट रेटिंग का आशय यह है कि फर्म को उम्मीद है कि भारत की अर्थव्यवस्था भविष्य में और अधिक बेहतर प्रदर्शन करेगी। फर्म ने कहा है कि भारत के मैक्रो संकेतक लचीले बने हुए हैं और वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद) 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर लेगी। अब जब कुछ अन्य देशों की रेटिंग घट रही है और भारत की रेटिंग बढ़ रही है तो इससे कुछ देश भारत को अपनी प्रतिस्पर्धा में खड़ा होता देख नहीं पा रहे हैं। अंग्रेजों ने भारत पर अपने 200 वर्षों के शासनकाल में भारतीय सनातन संस्कृति पर आक्रमण करते हुए इसको तहस नहस करने का भरपूर प्रयास किया था, हालांकि उनके प्रयास पूर्ण रूप से सफल नहीं हुए थे। परंतु, कुछ हद तक तो उन्हें सफलता मिली ही थी, जिसके चलते भारतीय नागरिक अपने श्स्वश के भाव को भूलकर पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित हुए थे और ऐसा सोचने लगे थे कि पश्चिम से आई हुई कोई भी चीज वैज्ञानिक एवं आधुनिक है। जिसका परिणाम देश आज भी भुगत रहा है। जबकि ब्रिटेन, जापान, इजराइल, जर्मनी, अमेरिका जैसे देशों ने तो अपने नागरिकों में श्स्वश के भाव को जगाकर ही अपने आप को विकसित देशों की श्रेणी में शामिल करने में सफलता पाई थी। अंग्रेजों ने उस खंडकाल में अपनी नीतियां ही इस प्रकार की बनाई थीं कि भारतीय नागरिक आपस में जाति और पंथ के नाम पर लड़ते रहें ताकि उन्हें भारत पर शासन करने में आसानी हो। जबकि आज विश्व भर में स्थिति यह है कि सनातन भारतीय संस्कारों को वैज्ञानिक माना जा रहा है, एवं कई वैश्विक समस्याओं के हल हेतु भारत की ओर आशाभारी नजरों से देखा जा रहा है। परंतु, आज पुनः कुछ देश, अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान अपनाए गए हथकंडों को भारत में लागू कर भारत में शांति को भंग करने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। अभी हाल ही में मणिपुर एवं हरियाणा में पनपे दंगे इसी नीति का परिणाम दिखाई देता है। मणिपुर में जहां विस्तारवादी चर्च की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है तो वहीं हरियाणा में आतंकवादी संगठनों का हस्तक्षेप हो सकता है। कुल मिलाकर, ऐसा आभास हो रहा है कि जैसे विस्तरवादी चर्च, आतंकवादी संगठनों, नक्सलवादियों एवं कुछ विदेशी संस्थानों ने आपस में हाथ मिला लिया हो एवं यह सब मिलकर कुछ भारतीय नागरिकों को साथ लेकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हों। भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए "माई बॉडी माई चोईस"य "हमको भारत में रहने में डर लगता है"य "दीपावली पर पटाखे जलाने से पूरे विश्व का वायुमंडल प्रभावित होता है"य होली पर्व पर गुलाल एवं रंग बिखेरने से पानी की बर्बादी होती है" आदि नरेटिव स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। वाशिंगटन पोस्ट एवं न्यूयॉर्क टाइम्ज लम्बे लम्बे लेख लिखते हैं कि भारत में मुसलमानों पर अन्याय हो रहा है। कोविड महामारी के दौरान भी भारत को बहुत बदनाम करने का प्रयास किया गया था। वर्ष 2002 की घटनाओं पर आधारित एक डॉक्युमेंटरी को बीबीसी आज समाज के बीच में लाने का प्रयास कर रहा है। अडानी समूह, जो कि भारत में आधारभूत संरचना विकसित करने के कार्य का प्रमुख खिलाड़ी है, उसकी तथाकथित वित्तीय अनियमितताओं पर अमेरिकी संस्थान "हिंडनबर्ग" अपनी एक रिपोर्ट जारी करता है ताकि इस समूह को आर्थिक नुक्सान हो और यह समूह भारत की आर्थिक प्रगति में भागीदारी न कर सके। हैपीनेस इंडेक्स एवं हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति को झूठे तरीके से पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे देशों से भी बदतर हालात में बताया जाता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, भारतीय मुसलमानों की स्थिति के बारे में तब विपरीत बात करते हैं जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर होते हैं। ऐसा आभास होता है कि भारत के विरुद्ध यह अभियान कई संस्थानों एवं देशों द्वारा मिलाकर चलाया जा रहा है। दूसरी ओर कुछ देश, विशेष रूप से चीन, भारत के बाजारों को चीन में उत्पादित सस्ते मूल्य की वस्तुओं से पाट देना चाहता है। कुछ वर्ष पूर्व तक चीन को अपनी इस रणनीति में सफलता भी मिली थी और भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा था और भारत का लघु उदयोग लगभग समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। इस सम्बंध में एक महत्वपूर्ण उदाहरण का उल्लेख यहां किया जा सकता है। फोलिक एसिड नामक एक दवाई भारत में ही बनाई जाती थी, इस दवाई को भारतीय कम्पनियां 6,000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर बेचती थीं, परंतु चीन ने भारत में यह दवाई 4000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर बेचना शुरू कर दिया था। इस दवाई का भारत में निर्माण करने वाली कम्पनियों को इससे घाटा होने लगा और उन्होंने भारत में इस दवाई का उत्पादन बंद कर दिया। जब भारत में चीन के लिए इस दवाई की प्रतिस्पर्धा समाप्त हो गई तो कालांतर में चीन इसी दवाई को भारत में 50,000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर उपलब्ध करने लगा। इस कार्य को उत्पाद की "डम्पिंग" का नाम भी दिया जाता है। परंतु, भारत अब अन्य देशों के इन हथकंडों को पहिचान चुका है और उत्पादों की डम्पिंग को रोकने के लिए इन उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लेने लगा है। अभी हाल ही में भारत सरकार ने देश में लैपटॉप, टैबलेट, ऑल–इन–वन पर्सनल कंप्यूटर, अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर आदि के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा कि शोध एवं विकास, परीक्षण, बेंचमार्किंग और मूल्यांकन, मरम्मत और वापसी तथा उत्पाद विकास के उद्देश्य से प्रति खेप अब 20 वस्तुओं तक आयात लाइसेंस की छूट रहेगी।

यह उत्पाद अभी तक भारत में बिक्री के लिए चीन जैसे देशों से आयात किए जाते थे। भारत सरकार के इस निर्णय से इन उत्पादों का भारत में ही निर्माण करने को बढ़ावा मिलेगा और इस क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भरता हासिल होगी। अतः अब समय आ गया है कि भारतीय नागरिक कुछ विदेशी संस्थानों एवं कुछ देशों के भारत के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को गहराई से समझने का प्रयास करें एवं भारत के विश्व के पटल पर एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित होने में बाधा नहीं बनते हुए, अपना महती योगदान देने का प्रयास करें।

राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष गहरा रहा इस्लामिक और वामपंथी चरमपंथ का खतरा

फुलवारी शरीफ घटना में गिरफ्तार अतहर परवेज ने एनआइए के पूछने पर यह स्वीकार किया था कि अपनी गिरफ्तारी से चार–पांच महीने पूर्व वह एटीएस आफिस गया था तथा एटीएस के दो पदाधिकारी उसके संपर्क में थे। बिहार पुलिस ने इस समाचार का न तो खंडन किया और न ही यह बताया कि वे दो पदाधिकारी कौन थे। वर्ष 2006 में मुंबई एटीएस ने मुंबई ट्रेन विस्फोट में मधुबनी के मो. कलाम और खालिद शेख को गिरफ्तार किया था। वर्ष 2009 में दिल्ली विस्फोट में मधुबनी के मो. मदनी, 2008 में रामपुर के सीआरपीएफ कैंप में हुए विस्फोट में मधुबनी के सबाहुद्दीन, 2011 में मधुबनी के ही अफजल एवं गुल अहमद की गिरफ्तारी के बाद समाचार पत्रों में आतंकवाद के 'मधुबनी और दरभंगा माड्यूल' की चर्चा भी शुरू हो गई थी।

हरेंद्र प्रताप

पिछले दिनों बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले मो. एहतेशाम को दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। वह अफगानिस्तान भागने की तैयारी में था। प्रतिबंधित आतंकी संगठन पीएफआइ (पापुलर फ्रंट आफ इंडिया) के सदस्य याकूब खान को भी बिहार के पूर्वी चंपारण के एक मदरसे से गिरफ्तार किया गया था। गत वर्ष जब पीएफआइ से संबंधित समाचार आ रहे थे तो उसमें पटना हवाई अड्डा से सटे फुलवारी शरीफ के अलावा पूर्वी चंपारण और पूर्णिया का भी नाम आया था। पूर्णिया जिला पीएफआइ का मुख्यालय था तो पूर्वी चंपारण उसका ट्रेनिंग सेंटर। 27 अक्टूबर, 2013 को नरेन्द्र मोदी के पटना आगमन पर गांधी मैदान में हुए विस्फोट के कारण केंद्रीय एजेंसिया सतर्क थीं। परिणामस्वरूप वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी जब बिहार आए तो उससे एक दिन पूर्व एनआइए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने फुलवारी शरीफ से जलालुद्दीन और अतहर परवेज को गिरफ्तार कर लिया। शिक्षा के नाम पर ये दोनों युवाओं को जिहाद की ओर धकेल रहे थे। इसी प्रकार वर्ष 2016 में जाकिर नाइक और असदुद्दीन ओवैसी के समर्थन में पीएफआइ ने पटना में एक जुलूस निकाला था जिसमें पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए गए। वर्ष 2021 में त्रिपुरा की घटना को लेकर भी फुलवारी शरीफ में एसडीपीआइ (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया) के आह्वान पर एक अराजक जुलूस निकाला गया था। 'आतंकवादियों का बिहारी लिंक' सदा से चर्चा में रहा है। देश में घटी तमाम आतंकी घटनाओं के तार बिहार से जुड़ते रहे हैं। फुलवारी शरीफ घटना में गिरफ्तार अतहर परवेज ने एनआइए के पूछने पर यह स्वीकार किया था कि अपनी गिरफ्तारी से चार–पांच महीने पूर्व वह एटीएस आफिस गया था तथा एटीएस के दो पदाधिकारी उसके संपर्क में थे। बिहार पुलिस ने इस समाचार का न तो खंडन किया और न ही यह बताया कि वे दो पदाधिकारी कौन थे। वर्ष 2006 में मुंबई एटीएस ने मुंबई ट्रेन विस्फोट में मधुबनी के मो. कलाम और खालिद शेख को गिरफ्तार किया था। वर्ष 2009 में दिल्ली विस्फोट में मधुबनी के मो. मदनी, 2008 में रामपुर के सीआरपीएफ कैंप में हुए विस्फोट में मधुबनी के सबाहुद्दीन, 2011 में मधुबनी के ही अफजल एवं गुल अहमद की गिरफ्तारी के बाद समाचार पत्रों में आतंकवाद के 'मधुबनी और दरभंगा माड्यूल' की चर्चा भी शुरू हो गई थी। मई 2012 में कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम विस्फोट के संबंध में दरभंगा के मो. कफिल को गिरफ्तार किया था। इस पर बिहार विधानसभा के अंदर एक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कर्नाटक पुलिस ने अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को बिहार पुलिस को बिना बताए गिरफ्तार किया। अखबारों में 'दरभंगा और मधुबनी माड्यूल' लिखे जाने की भी उन्होंने निंदा की। मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2012 में कर्नाटक की भाजपा सरकार के खिलाफ की गई टिप्पणी 2013 में भाजपा से संबंध विच्छेद का कोई पूर्व संकेत तो नहीं था? वर्ष 2021 में हुए दरभंगा ट्रेन विस्फोट की जांच एनआइए कर रही थी। इसी क्रम में 2022 में प्रधानमंत्री मोदी के बिहार आगमन के एक दिन पूर्व फुलवारी शरीफ में एनआइए ने कार्रवाई की। इस घटना के बाद राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण एवं नीति आयोग की बैठक से मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति ने भावी राजनीति के संकेत दे दिए। फुलवारी शरीफ की घटना के बाद बिहार में राजनीतिक परिवर्तन हुआ था। भाजपा से संबंध विच्छेद करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह स्वीकार किया कि समाज में विवाद पैदा करने का प्रयास उन्हें अच्छा नहीं लग रहा था। सवाल यह है कि किस विषय को लेकर कौन विवाद पैदा कर रहा था? लगता है बिहार का प्रशासनिक तंत्र आतंकवाद के प्रति गंभीर नहीं है। गांधी मैदान विस्फोट की जांच एनआइए को देने का उसने विरोध किया था। विस्फोट के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि खुफिया विभाग (आइबी) ने कोई इसकी पूर्व सूचना नहीं दी थी। मुख्यमंत्री के दावे को खारिज करते हुए आइबी ने यह कहा था कि राज्य सरकार को इसकी पूर्व में सूचना दी गई थी। फुलवारी शरीफ की घटना के बाद पटना के तत्कालीन एसएसपी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने पीएफआइ की तुलना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से की थी। उनके इस बयान के आधार पर कह सकते हैं कि राज्य का पुलिस–प्रशासन आतंकवाद को गंभीरता से नहीं ले रहा। कानून–व्यवस्था राज्य का विषय है, पर लोकतंत्र में राज्य की सत्ता का संचालन करने वाला 'वोट बैंक चाहे जाति का हो या पंथ का' के खिलाफ सख्त कदम उठाने से परहेज कर रहा है। आज राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष इस्लामिक और वामपंथी चरमपंथ का खतरा गहराता जा रहा है। फुलवारी शरीफ में आतंकवादियों से प्राप्त दस्तावेज में वर्ष 2047 तो माओवादियों से प्राप्त दस्तावेज में वर्ष 2050 में भारत पर कब्जा करने के उनके मंसूबे का पर्दाफाश हुआ है। पीएफआइ पर प्रतिबंध के बाद उम्मीद थी कि बिहार सरकार व्यापक स्तर पर अभियान चलाएगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। पीएफआइ ने अपना मुख्यालय संवेदनशील पूर्णिया में खोल रखा था। मुजफ्फरपुर से सटे मोतिहारी जिले में पीएफआइ के ट्रेनिग सेंटर संबंधी फोटो को मीडिया ने दिखाया भी था। इन जगहों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की आवश्यकता थी, पर नहीं की गई। जिस तरह सिमी (स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया) पर प्रतिबंध के बाद आतंकवादियों ने एक नए नाम पीएफआइ के तहत अपने संगठन को जिंदा रखा, उसी प्रकार पीएफआइ पर प्रतिबंध के बाद वे किस बैनर से सक्रिय हैं–इसकी जांच–पड़ताल की आवश्यकता है। बारूद के ढेर पर बैठे बिहार को गंभीरता से लेना होगा। फुलवारी शरीफ घटना में गिरफ्तार अतहर परवेज ने एनआइए के पूछने पर यह स्वीकार किया था कि अपनी गिरफ्तारी से चार–पांच महीने पूर्व वह एटीएस आफिस गया था तथा एटीएस के दो पदाधिकारी उसके संपर्क में थे। बिहार पुलिस ने इस समाचार का न तो खंडन किया और न ही यह बताया कि वे दो पदाधिकारी कौन थे। वर्ष 2006 में मुंबई एटीएस ने मुंबई ट्रेन विस्फोट में मधुबनी के मो. कलाम और खालिद शेख को गिरफ्तार किया था। वर्ष 2009 में दिल्ली विस्फोट में मधुबनी के मो. मदनी, 2008 में रामपुर के सीआरपीएफ कैंप में हुए विस्फोट में मधुबनी के सबाहुद्दीन, 2011 में मधुबनी के ही अफजल एवं गुल अहमद की गिरफ्तारी के बाद समाचार पत्रों में आतंकवाद के 'मधुबनी और दरभंगा माड्यूल' की चर्चा भी शुरू हो गई थी। मई 2012 में कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम विस्फोट के संबंध में दरभंगा के मो. कफिल को गिरफ्तार किया था। इस पर बिहार विधानसभा के अंदर एक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कर्नाटक पुलिस ने अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को बिहार पुलिस को बिना बताए गिरफ्तार किया। अखबारों में 'दरभंगा और मधुबनी माड्यूल' लिखे जाने की भी उन्होंने निंदा की। मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2012 में कर्नाटक की भाजपा सरकार के खिलाफ की गई टिप्पणी 2013 में भाजपा से संबंध विच्छेद का कोई पूर्व संकेत तो नहीं था?

ये मेरा इंडिया, ये तेरा इंडिया, आखिर ये किसका इंडिया?

छब्बीस विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नाम इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस यानी "इंडिया" (शॉर्ट फॉर्म) क्या रखा, बाकी राजनीतिक दलों को दिकध्कघ्त हो गई। एक व्यक्ति हाईकोर्ट चला गया। याचिका में कहा– कुछ राजनीतिक दलों ने मिलकर अपना नाम इंडिया रख लिया है। यह इंडिया का अपमान है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि इंडिया राष्ट्रीय प्रतीक यानी एम्ब्लम का हिस्सा है। ऐसे में इसका राजनीतिक इस्तेमाल कैसे हो सकता है? क्योंकि ऐसा करना एम्ब्लम एंड नेम्स एक्ट (प्रिवेंशन ऑफ इम्प्रॉपर यूज)– 1950 का उल्लंघन है। हालाँकि, कोर्ट ने याचिका को सुनवाई योग्य मानते हुए इन छब्बीस राजनीतिक दलों से कारण पूछा है, लेकिन एम्ब्लम एक्ट में राजनीतिक उपयोग या इस तरह के किसी शब्द का प्रयोग ही नहीं है। एक्ट के अनुसार कोई भी व्यक्ति या संस्था देश के नाम और उसके कुछ मान्य प्रतीकों का व्यवसायिक उपयोग बिना केंद्र सरकार की अनुमति के नहीं कर सकता। अब यह कहीं भी स्पष्ट नहीं है कि राजनीतिक दलों द्वारा किए गए या किए जाने वाले काम बिजनेस या व्यवसायिक हैं या नहीं! वैसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नाम में भी इंडिया आता है और इसके खघ्लिाफ भी एम्ब्लम एक्ट के उल्लंघन की याचिका लग चुकी है, लेकिन कोर्ट ने इसे उल्लंघन नहीं माना था और कहा था कि बीसीसीआई कोई ऐसी संस्था नहीं है जो व्यापार या व्यवसाय करती हो। इसलिए इस नाम में एक्ट के तहत कोई आपत्ति नहीं हो सकती। दरअसल, बाकघ्ी दलों की दिकघ्कघ्त यह है कि वे इंडिया नामक संगठन पर कोई आरोप कैसे लगाएँगे? क्योंकि इंडिया तो देश का नाम है। मामला उल्टा पड़ सकता है। निश्चित तौर पर छब्बीस राजनीतिक दलों ने भी यह सब सोच–समझ कर ही इंडिया नाम रखा होगा। वे भी चाहते होंगे कि उनके विरोधी दल इस चक्रव्यूह में फँसकर रह जाएँ। कुल मिलाकर इस मामले में कोर्ट में जो बहस होगी, वह बड़ी रोचक होने वाली है। छब्बीस दल यह कह सकते हैं कि अगर हमारे इंडिया पर प्रतिबंध लगाना चाहते हो तो एक्ट के अनुसार बाकघ्ी दल भी मानें कि राजनीति उनका व्यापार या व्यवसाय है। जबकि सभी पार्टियाँ तो खुद को सेवाभावी ही बताती हैं। वे सभी पार्टियाँ अब तक लोगों और देश की सेवा का दावा ही करती रही हैं। अगर इन सब दलों पर व्यापार या व्यवसाय का तमगा लग गया तो जिस सेवा के नाम पर ये वोट माँगते फिरते हैं, उसका क्या होगा?

धैर्य का लोन लें, भगवान चिंतामुक्त लग्जरी देंगे

कोविड के बाद मेरे एक पहचान वाले (मित्र नहीं) ने ये कहते हुए अचानक लग्जरी जिंदगी जीना शुरू कर दी कि 'जिंदगी की क्या गारंटी है।' उनकी जीवनशैली एकदम बदल गई। किसी भी खरीदारी में चाहे टीवी, कार, स्मार्टफोन या होटल स्टे में भी वह शुरुआती स्तर की चीजों की बात नहीं करते थे। क्लोज सर्किल में हम जब ऐसे किसी की चर्चा करते जो कभी 'पैसों को लेकर सजग उपभोक्ता' थे और अचानक लग्जरी चीजें पसंद करने लगे, तो उनका उदाहरण दिया जाने लगा। अचानक एक दिन वह परिदृश्य से गायब हो गए। उनके बारे में कहानियां चलने लगीं कि लग्जरी लाइफ जीने के लिए उन्होंने ढेर सारे लोन लिए थे, अंततः उनकी और उनके परिवार की जिंदगी तहस–नहस हो गई। धीरे–धीरे वह भुला दिए गए। इस सोमवार को वह मुझे याद आ गए, जब पता चला कि कई सारी नामचीन कंपनियां, जो रईसों के लिए उत्पाद बनाती हैं, अब भारत से लगातार आती लग्जरी की मांग के बाद यहां भी आउटलेट खोल रही हैं। भारत में भी कार निर्माताओं ने अपने बेस मॉडल बनाना कम कर दिए हैं। जैसे दस लाख से कम की कार की 2019 में जहां 57 वैरायटी थीं, जो आज 27 हैं और दस लाख से ज्यादा वालों की दोगुनी हुई हैं। छोटी टीवी स्क्रीन शायद कार की सीट पर चली गई हैं। नहीं तो इसे कैसे बताएंगे कि जनवरी से अभी तक बाजार में पेश टीवी की 170 कैटेगरी में 100 प्रीमियम कैटेगरी की 50 इंच से ज्यादा वाली हैं। क्या हम घर के मुख्य हॉल में जा रहे हैं या सिनेमा–हॉल में? कार, टीवी, मोबाइल के साथ, दूसरे उत्पादों में महंगी चीजें पसंद बन रही हैं, ऐसे में ताज्जुब नहीं कि उत्पादकों के अनुमान से इस साल ये बाजार 12 हजार करोड़ रु. पार कर जाएगा। इसमें 8 हजार करोड़ के तो सिर्फ शादियों के परिधान हैं। ढेर सारी वैश्विक कंपनियों द्वारा भारत में जारी लेटेस्ट–लग्जरी उत्पादों को अगर संकेत मानें तो कोई भी आसानी से कह सकता है।

कायस्थ समाज ने शोक सभा कर दिया श्रद्धांजलि

जौनपुर। कायस्थ समाज के संरक्षक प्रदीप श्रीवास्तव डी ओ की पत्नी, भाजपा नगर दक्षिणी के नगर उपाध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव के माताजी के निधन पर एक शोकसभा का आयोजन कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्षः प्रदेश महामंत्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के मियांपुर आवास पर सम्पन हुई जिसमें जौनपुर कायस्थ समाज के सभी संगठन के पदाधिकारियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया और दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

कायस्थ महासभा 5680 के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदीप जी के पत्नी के निधन पर कायस्थ समाज मर्माहित हैं उनके निधन के कारण दिनांक 13 अगस्त रविवार को मंगलम लान में कायस्थ समाज जौनपुर के सभी संगठनों द्वारा सावनी भोज, सम्मान समारोह, कजरी महोत्सव, वृक्षारोपण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है आगामी कार्यक्रम की सूचना बाद में दी जायेगी।

कायस्थ महासभा 2150 के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में कायस्थ समाज उनके परिवार के साथ है।

संगत पंगत के जिलाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव हैप्पी ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में संगत पंगत परिवार साथ है।

कायस्थ एकता मंच के अध्यक्ष दयाशंकर निगम ने कहा कि कार्यक्रम स्थगित करना उचित निर्णय हैं।

कायस्थ महासभा 2150 के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि समाज के सुखदुःख में शामिल होना ही सच्ची सेवा हैं।

कल्याण समिति के सदस्य चंद्रमोहन श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदीप जी के पत्नी के निधन पर पूरी समिति दुःख में है।

कार्यक्रम संयोजक शशि श्रीवास्तव गुड्डू ने कहा कि आज जौनपुर के सभी संगठन एक साथ कार्य कर रहे है ये एक अच्छी सुरवात हैं।

कायस्थ समाज के वरिष्ठ नेता गिरिजेश श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदीप जी को भगवान कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करे।

शोक व्यक्त करने वाले में प्रदेश सचिव उमेश श्रीवास्तव फूफा, जिला उपाध्यक्ष श्याम रत्न श्रीवास्तव, जिला महामंत्री अनुराग श्रीवास्तव एडवोकेट राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट,कायस्थ महासभा के युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार कायस्थ महासभा के जिला उपाध्यक्ष श्याम रतन श्रीवास्तव मामा,संगत पंगत के महामंत्री अजय वर्मा अज्जू,संगत पंगत के कोषाध्यक्ष शरद श्रीवास्तव राष्ट्रीय सचिव राजीव कुमार श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट ऑडिटर श्रीवा,जिला उपाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव एडवोकेट मीडिया प्रभारी संदीप श्रीवास्तव शिवम श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव आलोक श्रीवास्तव आदि चित्रांश बंधुओं ने शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

समोधपुर पी.जी.कालेज में मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्राचार्य ने पंच प्रण की दिलाई शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गांधी स्मारक पी.जी. कॉलेज समोधपुर जौनपुर में गुरुवार को प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंहशरानूश्के संरक्षकत्व व प्राचार्य प्रोफेसर रणजीत कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत पंच प्रण शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य प्रो.रणजीत कुमार पाण्डेय ने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को पंच प्रण– 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य, दासता के हर चिन्ह से मुक्ति, अपने विरासत पर गर्वानुभूति, एकता और वीरों के प्रति सम्मान की भावना तथा कर्तव्य बोध की भावना की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम संयोजक द्वय डॉ अविनाश वर्मा व डॉ अवधेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो.अरविंद कुमार सिंह, प्रो.राकेश कुमार यादव,डॉ. लक्ष्मण सिंह,डॉ. नीलमणि सिंह ,वंदना तिवारी ,श्री जितेंद्र सिंह ,श्री विकास कुमार यादव , श्रीमती नीलम सिंह,सत्यप्रकाश सिंह,कार्यालय अधीक्षक बिंद प्रताप सिंह, अखिलेश कुमार सिंह ,गंगा प्रसाद सिंह ,राहुल सिंह आदि उपस्थित रहे।

अटेवा से ही पेंशन की आस है रूप्रो माया नंद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजा कृष्ण दत्त पी जी कालेज जौनपुर के प्रोफेसर ,असिस्टेंट प्रो कालेज के अनुचर प्रो डॉ मायानंद ने अटेवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा श्याम सुंदर उपाध्याय व जिला महामंत्री इंदु प्रकाश यादव के नेतृत्व में अटेवा की सदस्यता ग्रहण किया। इसकी जानकारी देते हुए इंदु यादव ने बताया कि राज कॉलेज के प्रो डॉ मायानंद उपाध्याय वर्ष 2024 में सेवानिवृत्त हो रहे हैं ,उन्होंने अटेवा की सदस्यता ग्रहण किया और बताया कि पुरानी पेंशन ही शिक्षक ,कर्मचारियों की असली पूंजी है। भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो डॉ अनामिका सिंह भी पुरानी पेंशन योजना में होते हुए भी अटेवा की सदस्यता ग्रहण किया, और उन्होंने कहा की पुरानी पेंशन शिक्षक , कर्मचारियों के बुढ़ापे की लाठी है, पुरानी पेंशन शिक्षक, कर्मचारियों का मान सम्मान स्वाभिमान है। कालेज के दोनो प्रो पुरानी पेंशन से आच्छादित होते हुए भी अटेवा की सदस्यता ग्रहण किए।ये अटेवा के लिए सौभाग्य की बात है,कि आप जैसे विद्वतजन का सानिध्य हम सभी शिक्षक, कर्मचारियों को जगाने का काम करेगा। कालेज के समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रो डा मनोज वत्स , मनोविज्ञान की विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रो डॉ अनीता सिंह, डा गगन प्रीत कौर,शिक्षाशास्त्र विभाग से असिस्टेंट प्रो डा नीता सिंह , अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रो डा लालसहब यादव ,कालेज के कार्यालय अधीक्षक डा संजय सिंह एवम अनुचर विनय यादव, शैलेश यादव , विनय हलुआई सहित दर्जनों साथियों ने अटेवा की सदस्यता ग्रहण किए। इस मौके पर कालेज के राजनीतिशास्त्र विभाग के स्ववित्तपोषित असिस्टेंट प्रो डॉ संतोष पाण्डेय भी उपस्थित रहे,उन्होंने कहा की अटेवा पूरे देश में पुरानी पेंशन की लड़ाई बहुत दमदारी से लड़ रहा है, अटेवा के नेतृत्व में पुरानी पेंशन जल्द ही बहाल होगी।

11 अगस्त पर विशेष :-

एक बार विदाई तो दे मां, ताकि मैं घूमकर कर आ जाऊं खुदीराम बोस

भारत के सबसे युवा बलिदानी खुदीराम बोस : मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

क्रांतिकारी खुदीराम बोस भारत के ऐसे महान सपूत थे जिन्होनें सबसे कम आयु में भारत को आजादी दिलाने व अंग्रेजों के मन में भय उत्पन्न करने के लिये फांसी का फंदा चूम लिया। खुदीराम बोस का जन्म 3 दिसम्बर 1889 को बंगाल के मिदनापुर जिले के एक गांव में बाबू त्रैलौक्यनाथ के घर पर हुआ था और माता का नाम लक्ष्मीप्रिया देवी था। बोस ने नौवीं कक्षा के बाद से ही पढ़ाई छोड़ दी थी।

1900 के दशक के आरम्भ में अरबिंदो घोष और बहन निवेदिता के सार्वजनिक भाषणों ने उन्हें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान वे स्वतंत्रता आंदोलन में एक सक्रिय स्वयंसेवक बन गये। खुदीराम केवल 15 वर्ष के थे जब उन्हें ब्रिटिश प्रशासन के खिलाफ पर्चे बांटने के आरोप में पहली बार गिरफ्तार किया गया। 1908 में खुदीराम अनुशीलन समिति से जुड़ गये जो 20वीं सदी के आरम्भ में गठित एक क्रांतिकारी समूह था। अरबिंदो घोष और उनके भाई बीरेंद्र घोष जैसे राष्ट्रवादियों ने इस समिति का नेतृत्व किया। अनुशीलन समिति का सदस्य बनते ही खुदीराम पूरी तरह से क्रांतिकारी बन गये और उन्होंने यहीं से बम आदि बनाने और चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उस समय अग्रेंजों की ओर से भारतीयों पर घोर अत्याचार किये जा रहे थे जिससे आम भारतीयों में गहरा आक्रोष था। स्कूल छोड़ने के बाद बोस रिवोल्यूशनरी पार्टी में शामिल हो गये थे।उन्होनें बंगाल विभाजन का भी विरोध किया और युगांतर के सदस्य बनकर आंदोलन में हिस्सा लिया। उन दिनों अनेक अंग्रेज अधिकारी भारतीयों से दुर्व्यवहार करते थे।ऐसा ही एक मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड मुजफ्फरपुर बिहार में तैनात था। वह छोटी –छोटी बातों पर भारतीयों को दंड देता था। अतः क्रांतिकारियों ने उससे बदला लेने का निश्चय किया।

कोलकाता में प्रमुख क्रांतिकारियों की बैठक हुई। बैठक में किंग्सफोर्ड को यमलोक पहुंचाने की योजना पर गहन विचार विमर्श हुआ। बोस ने स्वयं को इस कार्य के लिए उपस्थित किया वह भी तब जब उनकी अवस्था बहुत कम थी। उनके साथ प्रफुल्ल कुमार चाकी को भी इस अभियान को पूरा करने का दायित्व सौंपा गया। दोनों युवकों को एक बम ,तीन पिस्तौल व 40 कारतूस दिये गये। दोनों ने मुजफ्फरपुर पहुंचकर एक धर्मशाला में डेरा जमा लिया। कुछ दिन तक किंग्सफोर्ड की गतिविधियों का अध्ययन किया। इससे उन्हें पता लग गया कि वह किस समय न्यायालय आता– जाता है पर उस समय उसके साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहता था। अतः उस समय उसे मारना कठिन था। अतः उन्होनें उसकी दिनचर्या पर ध्यान दिया। किंग्सफोर्ड प्रतिदिन शाम को लाल रंग की बग्घी में क्लब जाता था। दोनों ने उस समय ही उसको समाप्त करने का निर्णय लिया। 30 अप्रैल 1908 को दोनों क्लब के पास की झाड़ियों में छिप गये। शराब और नाच गाना समाप्त करके लोग जाने लगे। अचानक एक लाल बग्घी क्लब से निकली। दोनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

परन्तु दुर्भाग्य कि उस दिन किंग्सफोर्ड क्लब आया ही नहीं था। उस बग्घी में केवल दो महिलाएं वापस घर जा रही थीं, क्रांतिकारियों के हमले से वे यमलोक पहुंच गयीं। पुलिस ने चारों ओर जाल बिछा दिया।बग्धी के चालक ने दो युवकों की बात पुलिस को बतायी। खुदीराम और चाकी रात भर भागते रहे। वे किसी तरह सुरक्षित कोलकाता पहुंचना चाहते थे।

प्रफुल्ल किसी प्रकार से कोलकाता की रेल में बैठ गये। उस डिब्बे में एक पुलिस अधिकारी भी था। उसे शक हो गया। उसने प्रफुल्ल को पकड़ना चाहा लेकिन इसके पहले ही प्रफुल्ल ने स्वयं को अपनी पिस्तौल से समाप्त कर लिया।

इधर खुदीराम एक दुकान पर भोजन करने के लिए बैठ गये। वहां लोग रात वाली घटना की चर्चा कर रहे थे कि वहां दो महिलाएं मारी गयीं। यह सुनकर बोस के मुंह से निकल पड़ा – तो क्या किंग्सफोर्ड बच गया? यह सुनकर लोगों को संदेह हो गया और उन्होनें उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। मुकदमे में खुदीराम को फांसी की सजा सुनायी गयी। 11 अगस्त, 1908 को हाथ में गीता लेकर और वंदेमातरम के नारे लाते हुए खुदीराम खुशी –खुशी फांसी पर झूल गये। उस समय उनकी आयु 18 साल, आठ महीने और 8 दिन थी। किंग्सफोर्ड ने घबराकर नौकरी छोड़ दी और जिन क्रांतिकारियों को उसने कष्ट दिया था उनके भय से उसकी जल्द ही मौत हो गयी।

बलिदान के बाद बढ़ गयी लोकप्रियता– खुदीराम को विदाई देते समय अपार जनसमुदाय उपस्थित था। वहां जमा हुए लोग चिता के शांत होने पर चुटकी– चुटकी राख उठा ले गये और घरों में सोने –चांदी तथा हाथी के दांत से बनी कीमती डिब्बियों में उसे सहेजकर रखा। कई लोगों ने उस राख को पूजा घर में रखा तो कई ने उस राख को ताबीजो में डालकर ताबीजो को बच्चों में गले में डालकर पहनाया। तब लोग प्रार्थना करते थे कि, "हे ईश्वर हमारे बच्चे भी खुदीराम बोस जैसे देशभक्त और बलिदानी बनें।" फांसी के बाद खुदीराम इतने लोकप्रिय हो गये कि बंगाल के जुलाहे एक विशेष प्रकार की धोती बुनने लगे जिनकी किनारी पर खुदीराम लिखा होता था। उनके साहसिक येगदान को अमर बनाने के लिए गीत रचे गये और उनका बलिदान लोकगीतों के रूप में मुखरित हुआ।

जिले में अवैध गांजा, स्मैक और नशीली दवाओं से बर्बादी की राह पर युवा पीढ़ी

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। जिले में बढ़ता नशे का कारोबार युवाओं को कर रहा खत्म, गांव से लेकर शहर तक फैला है नशे के कारोबारियों का रैकेट। कुमारगंज, बीकापुर, खजूरहट, भदरसा, मसौधा, पूरा, रौडौली और सोहावल के आसपास युवाओं की फौज बेंच रहा स्मैक, गांजा और नशीली अंग्रेजी दवाओं की सुई। स्थानीय पुलिस भी कभी कभार करती है कार्यवाही लेकिन ठोस कार्यवाही नही होने पर चन्द दिन बाद पुनः धंधो पर लग जाते है युवा।

'मेडिकल स्टोरों से भी नशे की सुई और खाने की दबाओ का खुलेआम हो रही बिक्री।'

स्मैक और गांजा का चल रहा नेपाल से कारोबार इसमें कई इसे लोग शामिल है जिन पर पुलिस शक ही नही कर पाती है या तो हाथ डालने से कतराती है। 'सर्बाधिक दिक्कत आम लोगो को हो रही है, हैंड पम्प, पानी की प्लास्टिक, साइकिल के अलावा घर के बाहर रखे समान नशेड़ी गायब कर रहे है।

रेप के दौरान रोई मासूम तो पैर से गला दबाकर की हत्या

गोरखपुर मंडल प्रभारी आशुतोष चौधरी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में तीन साल की बच्ची के साथ हैवानियत को अंजाम देने का खौफनाक मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले बच्ची को किडनैप किया, फिर रेप की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद उसकी भी कर दी। घटना चिलुआताल के गांव नवापार कठउर की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी ने चार दिन पहले सो रही बच्ची का अपहरण कर लिया। फिर सुनसान जगह ले जाकर हैवानियत की। इस दौरान जब बच्ची दर्द से रोई तो आरोपी ने उसके गले पर पैर रखकर मौत के घाट उतार दिया। फिर दोबारा उसने बच्ची के शव के साथ बलात्कार किया। मामले की जानकारी के बाद जांच में जुटी पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया।

नानी के घर आई थी तीन साल की मासूम

जानकारी के मुताबिक, मासूम अपनी मां के साथ 5 अगस्त को अपनी नानी के घर आई थी। वारदात वाले दिन जब करीब चार बजे बच्ची की मां की आंख खुली तो उसने मासूम को गायब पाया। फिर घर के अन्य सदस्य बच्ची की तलाश में जुटे लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सुबह होने पर जानकारी दी गई।

जांच पड़ताल के दौरान गांव के ही एक बन रहे मकान में बच्ची का शव पाया गया। पुलिस ने मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जिसमें उसके साथ रेप की पुष्टि हुई। पुलिस ने शक, सीसीटीवी फुटेज और गांव वालों से मिली जानकारी के आधार पर एक शख्स को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान सख्ती बरतने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

आरोपी ने अपनी भतीजी का भी 3 साल पहले कर चुका है रेप

एसपी गौरव ग्रोवर ने बताया कि आरोपी मिथिलेश विश्वकर्मा आदतन अपराधी है। करीब तीन साल पहले उसने अपनी सगी भतीजी के साथ भी रेप की वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल, वह जमानत पर था।

सी एच सी शाहाबाद में फाइलेरिया मुक्ति अभियान शुरू : डॉ. प्रवीण दीक्षित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शाहाबाद पर गुरुवार को फाइलेरिया से मुक्ति के लिए अभियान का हुआ शुभारंभ किया गया। सी एच सी अधीक्षक डॉ. प्रवीण दीक्षित ने फाइलेरिया अभियान का उद्घाटन/शुभारम्भ किया। इस दौरान लोगों को फाइलेरिया बीमारी के प्रति जागरूक किया गया।

डॉ. प्रवीण दीक्षित ने कहा कि फाइलेरिया से प्रदेश को मुक्त करने का यह अभियान चलाया गया है। हम सब इस अभियान में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लें। उन्होंने सभी आशाओं से अपील करते हुए कहा कि एक भी घर छूटना नहीं चाहिए तथा प्रत्येक व्यक्ति को यह दवा खिलाई जानी चाहिए। इसके लिए टीमों का गठन किया गया है, जो घर–घर जाकर प्रत्येक व्यक्ति को उम्र के अनुसार फाइलेरिया की दवा खिलाएंगी। दवा खिलाने के बाद लाभार्थी के बाये हाथ की ऊंगली पर मार्कर से निशान लगाना है तथा घर की दीवार पर मार्किंग करना है। कहा कि दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिला तथा अत्यधिक बीमार वृद्ध को दवा नहीं खिलाना है। यह रोग सामान्यतरू हाथीपांव के नाम से जाना जाता है जो कि मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है। श्री दीक्षित ने कहा कि यह रोग असाध्य है। रोगी स्थाई अपंगता का शिकार हो जाता है।

वर्ष में एक बार पूरी आबादी को एक साथ फाइलेरिया की दवा आयु वर्ग के अनुसार खिलाए जाने से इस रोग से मुक्ति मिल सकती है। इस मौके पर चीफ फार्मासिस्ट अनिल कुमार मिश्रा, वी के मिश्रा, आशुतोष वर्मा, शाश्वत त्रिवेदी सुहैल अहमद बी सी पी एम, सुनील कुमार एच एस एवं समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को निर्धारित दवाओं का सेवन उनकी आयु एवं लम्बाई के अनुसार कराया गया।

रोडवेज वर्कशॉप को राप्ती नगर किया जाए स्विफ्ट एडीजी जोन

गोरखपुर मंडल प्रभारी आशुतोष चौधरी

गोरखपुर। जाम के झाम से आम जनमानस को निजात दिलाने के लिए एडीजी जोन व मंडलायुक्त ने किया मैराथन बैठक जिससे आम जनमानस को जाम से निजात दिलाया जा सके अपर पुलिस महा निदेशक अखिल कुमार,मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा ने आयुक्त सभागार मे शहर को जाम से निजात दिलाने के लिये बैठक करते हुये आरएम रोडवेज को दिया निर्देश दिया कि रोड़वेज बस वर्कशाप को राप्तीनगर मे शिफ्ट किया जाये साथ ही नगर आयुक्त,एडीएम सिटी,एसपी सिटी प्राईवेट बसो के स्टैन्ड के लिये जल्द से जल्द स्थान को चिन्हित करें। उन्होने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि रेहड़ी एवं पटरी व्यवसाय करने वालो के लिये वेडिग जोन चिन्हित किया जाये। अपर पुलिस महा निदेशक एवं मण्डलायुक्त आरटीओ परिवहन से शहर मे आटो के संचालन की जानकारी लेते हुये निर्देश दिया कि सुरक्षा के दृष्टिगत जनपद मे चलने वाले सभी आटोई रिक्शा पर अभियान चलाकर नम्बरिग कराया जाये। उन्होने कहा कि प्रथम चरण मे सभी आटो एवं द्वितीय चरण मे ई रिक्शा पर नम्बरिग कराया जाये। उन्होने दूरसंचार विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिया कि सड़को के किनारे अनुपयोगी टेलीफोन के खम्बां को हटाया जाये।उन्होने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिया कि सड़को के सभी लाइटो को नगर निगम को हैन्ड ओवर किया जाये।बैठक में एडीजी जोन अखिल कुमार मंडलायुक्त अनिल ढींगरा आईजी रेंज जे रविंद्र गौड़ जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल जीडीए उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह तवर पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण बिश्नोई अपर आयुक्त अजयकांत सैनी सीडीओ संजय कुमार मीना एडीएम प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह रीजन मैनेजर रोडवेज पीके तिवारी पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक श्यामदेव सहित संबंधित अधिकारी व अन्य मौजूद रहे।

तारुन झाड़ियों में पड़े मिले सैकड़ों की संख्या में आधार कार्ड, मचा हड़कंप

बीकापुर–अयोध्या। जिले के तारून थाना क्षेत्र के बेलगरा गांव में बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आधार कार्ड प्राथमिक विद्यालय के निकट मनरेगा तालाब की चाहरदीवारी के पास झाड़ियों में पाए गए हैं। इसे लेकर हड़कंप मचा गया है। लोगों की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी डाक विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है।लोगों का आरोप है कि ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलगरा बनघुसरा में स्थापित शाखा उप डाकघर में तैनात पोस्टमैन की लापरवाही से सैकड़ों की संख्या में आधार कार्ड झाड़ियों में फेंक दिए गए हैं।बताया जाता है कि आसपास के गांवों के छात्र–छात्राओं सहित लोगों के बने आधार कार्ड वितरण करने की जगह उसे ले जाकर बेलगरा गांव के प्राथमिक विद्यालय से सटे मनरेगा तालाब के बाउन्ड्री में स्थित झाड़ियों में फेंक दिया गया है।

Government of India, Ministry of Home Affairs
Office of the Custodian of Enemy Property for India
Hall No. 2, 7th Floor, Kendriya Bhawan, Sector- H, Aliganj, Lucknow-226024

CEPI Head Office New Delhi invites application for contractual engagement from eligible Indian Citizens for the following vacancies for branch office at Lucknow :-

Sr No	Designation	No of Posts	Particulars of Pay	Age Limit
1.	Senior Consultant (Level-12/13)	01	• For retired government employees – last pay drawn minus pension • For others – Rs. 78,000/- and 1,18,500/- (Fixed)	Not more than 64 Years for retired Govt. Employees and not more than 45 years in case of others.
2.	Senior Legal Consultant (Level-10)	01	• For retired government employees – last pay drawn minus pension • For others – Rs. 72,000/- (Fixed)	Not more than 62 Years
3.	Supervisor/ Consultant (Level-07)	02	• For retired government employees – last pay drawn minus pension • For others – Rs. 48,000/- (Fixed)	Not more than 62 Years
4.	Legal Consultant (Level-08)	01	• For retired government employees – last pay drawn minus pension • For others – Rs. 72,000/- (Fixed)	Not more than 62 Years. Work locations in various districts of UP & UK
5.	Surveyors (Level-06)	11	• For retired government employees – last pay drawn minus pension • For others – Rs. 42,000/- (Fixed)	Not more than 62 Years. Work locations in various districts of UP & UK.

Please visit for details - https://www.mha.gov.in/en/notifications/vacancies. Please read instructions very carefully. Last date of online submission of application – 21 Aug 23. Applications can also be mailed to cepi.del@mha.gov.in

कनौसा कान्वेंट स्कूल में बालिकाओं को दवा खिलाकर सीएमओ ने राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस का शुभारंभ

अयोध्या। गुरुवार को जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस का शुभारंभ सीएमओ डा. संजय जैन ने कनौसा कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज में बालिकाओं को अल्बेंडाजोल दवा खिलाकर किया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में आये सीएमओ डॉ संजय जैन ने वहां पर उपस्थित छात्राओं को बताया जब बच्चे सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं।जो भी खाद्य पदार्थों को वे खाते है वह पूर्ण रुप से पका नहीं रहता है।जिसके चलते उन बच्चों के अन्दर छोटे छोटे कीड़े पड़ जाते हैं।और वे अस्वस्थ हो जाते है।मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ संजय जैन ने कहा कि एलबेंडाजोल दवा का सेवन करने से शरीर में मौजूद कृमि नष्ट हो जाते है एवम बच्चो का शारिरिक एवम् मानसिक विकास अच्छी तरह से होता है।इस अभियान में 1से 19 वर्ष के बच्चो को यह दवा खिलाना है। जिले में कुल कुल 1148,998 बच्चे है। जिसमे सभी सरकारी विद्यालय , अनएडेड विद्यालय , मदरसों, एवम कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के बालक एवम बालिकाओं को आच्छादित करने का लक्ष्य है। जो बालक एवम बालिकाओं जो इस दवा के खाने से वंचित रह जाते है तो वो सभी 17अगस्त को माप अप राउंड मे दवा खा सकते हैं।इस मौके कॉलेज की प्रधानाचार्या सिस्टर लिंडा, नोडल अधिकारी शहरी डा.वेद प्रकाश त्रिपाठी , डाक्टर एच ई आई ओ डी.पी. सिंह, डी सी पी एम अमित कुमार,सतीश वर्मा, सुशील, मनीष सिंह आदि स्वास्थ कर्मी उपस्थित थे। वही इसके अलावा सभी स्कूलों में कीड़े की दवा खिलाई गई।

जिले में अवैध गांजा, स्मैक और नशीली दवाओं से युवा पीढ़ी बर्बाद

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

जिले में बढ़ता नशे का कारोबार युवाओं को कर रहा खत्म, गांव से लेकर शहर तक फैला है नशे के कारोबारियों का रैकेट। कुमारगंज, बीकापुर, खजूरहट, भदरसा, मसौधा, पूरा, रौडौली और सोहावल के आसपास युवाओं की फौज बेंच रहा स्मैक, गांजा और नशीली अंग्रेजी दवाओं की सुई। स्थानीय पुलिस भी कभी कभार करती है कार्यवाही लेकिन ठोस कार्यवाही नही होने पर चन्द दिन बाद पुनः धंधे पर लग जाते है युवा। मेडिकल स्टोरों से भी नशे की सुई और खाने की दवाओं का खुलेआम हो रही बिक्री। स्मैक और गांजा का चल रहा नेपाल से कारोबार इसमें कई इसे लोग शामिल है जिन पर पुलिस शक ही नही कर पाती है या तो हाथ डालने से कतराती है। सर्वाधिक दिक्कत आम लोगो को हो रही है, हैंड पम्प, पानी की प्लास्टिक पाइप के अलावा घर के बाहर रखे समान नशेड़ी गायब कर रहे है।इसके साथ ही अवैध शराब बनाने का भी प्रचलन तेज हो गया है। स्थानीय पुलिस को सब जानकारी होती है।

अयोध्या पुलिस ने मंदिर में बड़ी चोरी खुलासा किया,16 लाख की नकदी और 5 लाख के जेवर सहित 3 शाातिर चोर गिरफ्तार

अयोध्या (काइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।अयोध्या धाम के हनुमत सदन में हुई बड़ी चोरी का अयोध्या कोतवाली पुलिस व स्वाट टीम ने किया खुलासा किया है। पुलिस ने मंदिर में तीन दिन पहले हुए चोरी के 16 लाख रुपए नगद व 5 लाख का सोना बरामद बरामद कर लिया है। इसके साथ ही घटना में शामिल 3 शातिर चोर और चोरी का आभूषण खरीदने वाला सोनार भी गिरफ्तार किया गया है।3 अवैध असलहे और कारतूस भी बरामद हुए हैं। अयोध्या के अलावा दिल्ली और गोंडा में इनकी ओर से चोरी की घटनाओं की जानकारी पुलिस को मिली है।घटना का अनावरण करने वाली टीम में अयोध्या कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के साथ प्रभारी स्वाट टीम अमरेश त्रिपाठी और लक्ष्मणघाट चौकी इंचार्ज जगन्नाथ मणि त्रिपाठी,हेड कांस्टेबल स्वाट टीम देवा आशीष सिंह और अमित राय आदि का विशेष योगदान रहा।

एसएसपी राजकरन नैय्यर के अनुसार तीनों चोर व सुनार गोंडा जिले के रहने वाले हैं। ऑपरेशन दृष्टि से खुलासे में मिला सहयोग मिला। घटना के समय मंदिर के महंत अवध किशोर शरण पास के कालेराम मंदिर में दर्शन के लिए गए हुए थे। वे रोज दर्शन करने जाते थे। यह चोरों को जानकारी थी और घटना के दिन चोरों ने रेकी भी की। चोरी के समय एक आरोपी हनुमत सदन के बाहर चबूतरे पर बैठ निगरानी करता रहा दूसरा कालेराम मंदिर के बाहर रहकर महंत पर नजर बनाए हुए था।सीसीटीवी कैमरे के सहारे पुलिस को चोरों और उनके द्वार घटना में प्रयुक्त वाहन की जानकारी मिली।

जिले में अवैध गांजा, स्मैक और नशीली दवाओं से युवा पीढ़ी बर्बाद

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले में बढ़ता नशे का कारोबार युवाओं को कर रहा खत्म, गांव से लेकर शहर तक फैला है नशे के कारोबारियों का रैकेट। कुमारगंज, बीकापुर, खजूरहट, भदरसा, मसौधा, पूरा, रौडौली और सोहावल, पूरा–बजार, मया बाजार, आदि के आसपास इलाकों में युवाओं की फौज बेंच रहा स्मैक, गांजा और नशीली अंग्रेजी दवाओं की सुई। स्थानीय पुलिस भी कभी कभार करती है।

कैंट रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे साबित हो रहे महज शो पीस

प्लेटफार्म पर सक्रिय अराजक तत्वों से निपटेगी जीआरपी - प्रभारी निरीक्षक

क्या कहते हैं प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैंट

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी अयोध्या कैंट पप्पू यादव ने बताया कि इस रेलवे स्टेशन की सुरक्षा को लेकर वे पूरी तरह से सर्तक है।रही बात टूटी चार दीवारें,सीसीटीवी कैमरे की जो समस्या है उस संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात कर समस्या का किया जाएगा।उन्होंने बताया कि सावन मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये नौ उप निरीक्षक व 124 पुलिस कर्मी बाहर से आये है।जो सावन मेले के दौरान चप्पे चप्पे पर तैनात रहेंगे।इसके अलावा एक एएसटी टीम भी इस मौके पर सक्रिय रहेगी।

अयोध्या। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन की सुरक्षा राम भरोसे चल रहा है यहां पर न तो उच्च क्वालिटी की सीसीटीवी कैमरे लगे हैं,न ही सुरक्षा की दृष्टि से अन्य उपकरण है।ऊपर से रेलवे स्टेशन की चार दीवारी कई जगहों से टूटी हुई है।जिसके चलते बाहरी दुकान दार, बेटिकट यात्रा करने वाले रेलयात्री के अन्य अराजक तत्व इस टूटी दीवारों से बेरोकटोक आसानी से आ जा रहे हैं इसमें सबसे अधिक रेल विभाग का लाखो का नुकसान बाहर से आने वाले दुकानदार रेलवे स्टेशन पर आसानी से कम दामों में सामान बेचने का काम कर रहे हैं वहीं इधर से गुजरने वाली ट्रेनों से बेटिकट यात्रा करने वाले रेलयात्री इन टूटी दीवारों के सहारे आसानी से बाहर निकल जाते हैं।जबकि इसकी भनक रेलवे प्रशासन को नहीं लग रही है।मालूम हो इस रेलवे स्टेशन लगभग चालीस सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।वही विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक जब यह कैमरे लाइव संचालित रहते है तब इससे संचालित टीवी पर सभी लोगों के चेहरे तो ठीक तरह से नजर आते हैं। वही जब उस तस्वीर को जरुरत पड़ने पर फिर से देखा जाए तो उसमें चेहरे स्पष्ट रुप से नजर नहीं आते है।

इससे यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि भविष्य में अगर कभी इस रेलवे स्टेशन पर स्टेशन पर किसी भी तरह की अनहोनी घटना हो जाये तो लोगों के चेहरे सीसीटीवी कैमरे में नहीं आ सकते हैं। जबकि सुरक्षा की दृष्टि से यह रेलवे स्टेशन भी अति संवेदनशील मे आता है। अयोध्या में आये दिन कोई न कोई पर्व,मेला आदि पड़ता है। जिसके चलते सामान्य रेल यात्रियों के अलावा लाखों की संख्या में दूर दराज से पर्यटक व श्रद्धालु ट्रेन से आते हैं। जिसके चलते यहां पर सुरक्षा के चाक चौकस उपाय होने चाहिए।

वायु प्रदूषण और उसकी गुणवत्ता को लेकर बना इंडिया क्लीन एयर कनेक्ट प्लेटफॉर्म

'समुदाय और सरकार के साझा प्रयासों से लाएंगे वायु गुणवत्ता में सुधार: असर'

'इंडिया क्लीन एयर कनेक्ट: स्वच्छ हवा के प्रति सामूहिक कार्रवाई के लिए वायु गुणवत्ता हितधारकों को एकजुट करने वाला प्लेटफार्म'

'यह जीवंत इकोसिस्टम तैयार करने के लिए वायु गुणवत्ता हितधारकों को एक मंच पर लाता है और उनके प्रयासों को व्यापक, विविध लक्षित समूहों तक पहुंचाने में मदद करता है।'

लखनऊ,। अपने–अपने शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण से चिंतित संगठनों और व्यक्तियों के पास अब एक प्रभावशाली मंच इंडिया क्लीन एयर कनेक्ट प्लेटफॉर्म (आईसीएसी)? है. इंडिया क्लाइमेट कोलेबोरेटिव और असर सोशल इम्पैक्ट एडवाइजरीस के सहयोग से इसे इंसेंसिंग लोकलस द्वारा तैयार किया गया है. यह भारत में वायु गुणवत्ता पर कार्य करने वालों और इसके लिए संसाधन उपलब्ध कराने वालों के लिए एक सशक्त समुदाय–केंद्रित डिजिटल हब है, जिसका उद्देश्य वायु गुणवत्ता के मुद्दे पर सहयोगात्मक कार्रवाई को सुगम बनाना और देश में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाना है.

वायु प्रदूषण भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य के समक्ष मौजूद सबसे बड़े खतरों में से एक है. देश में हर साल होने वाली कुल मौतों में लगभग एक–तिहाई मौतें वायु प्रदूषण के कारण होती हैं. दुनिया के शीर्ष 50 सबसे प्रदूषित शहरों में से लगभग 70: भारत में हैं. इसके अलावा, अधिकांश भारतीय शहर डब्ल्यूएचओ के वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में लगातार विफल साबित हो रहे हैं, जिससे देश की अधिकांश आबादी वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों का सामना कर रही है. साथ ही, वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के बीच गहरा संबंध है और ये अक्सर एक–दूसरे को प्रभावित भी करते हैं. हालांकि, वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कई उपाय किए गए हैं, इस समस्या के समग्र समाधान के लिए विभिन्न हितधारकों (नीति निर्माता, नागरिक, संगठन और अन्य हितधारक) को उपायों पर कंधे–से–कंधा मिलाकर काम करने की आवश्यकता है. अध्ययनों के मुताबिक वर्तमान में वायु गुणवत्ता बेहतर करने के लिए ऐसी व्यवस्थित कार्रवाई नहीं की जा रही है. सेंसिंग लोकल के सह–संस्थापक अंकित भार्गव ने कहा, 'निरर्थक प्रयासों या इसके दोहराव को कम करने के लिए वायु गुणवत्ता संगठनों ने हितधारकों को एकजुट करने, सूचना और जानकारी संबंधी कमियों को दूर करने और क्षेत्रवार एवं प्रादेशिक प्रगति की निगरानी की तात्कालिक जरूरतों की पहचान की और इन्हें पूरा करने के लिए आईसीएसी तैयार किया गया. यह मंच साझा रिसोर्स पूल को बढ़ावा देने, समान समूहों के शिक्षण–प्रशिक्षण और प्रयासों को दिशा बद्ध करने के लिए जानकारियां, अवसर और आंकड़े एकत्र करता है.

इंडिया क्लीन एयर कनेक्ट 16 देशों के 100 से अधिक शहरों में 350 से अधिक वायु गुणवत्ता तत्वों के डेटाबेस के साथ–साथ आंकड़े सूचना और जानकारी के 74 अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्रोतों और इस इकोसिस्टम में कार्यरत 70 से अधिक नेटवर्क के आधार पर तैयार किया गया है. यह भारत में विभिन्न क्षेत्रों और इलाकों में वायु गुणवत्ता पर काम करने वाले संगठनों व्यक्तियों और नेटवर्क को वायु प्रदूषण पर सामूहिक कार्रवाई के लिए एक मंच पर लाता है. उसके लिए यह इकोसिस्टम के हितधारकों को सहयोग करने, लक्ष्यबद्ध होने और पूरे देश में क्रियाकलापों के समन्वय के मौके प्रदान करता है.

छात्र शिक्षक संवाद

आप जैसा बनना चाहते हैं,वैसा करना शुरू करें : संजय कुमार मिश्र

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) ग्रामोदय इण्टर कालेज डिघिया खेरिया में '' छात्र शिक्षक संवाद'' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व शिक्षक विधायक संजय कुमार मिश्र ने बताया कि आप जैसा बनना चाहते हैं। वैसा करना शुरू करें। मेहनत लगन एकाग्रता से प्रत्येक कार्य सम्भव होता है। हमें अपनी परिस्थितियों का निर्माण स्वंय करके लक्ष्य की ओर बढ़ना सीखना चाहिए। इस प्रक्रिया में गुरु, माता पिता, अभिभावकों का बेहतर मार्गदर्शन छात्र के विकास को गति देता है।

कालेज प्रबन्धक सुशील कुमार मिश्र ने बताया कि बच्चे देश का भविष्य हैं। शिक्षक उनका निर्माता है। दोनो की समाज में महती भूमिका है। इन्ही पर देश का भविष्य टिका है।शिक्षकों को छात्रो के प्रति अपने मनोयोग से पालन करना चाहिए।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सवर्ण चेतना सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 आदर्श दीपक मिश्र, राधेश्याम मिश्र ददुआ, कौशल किशोर त्रिपाठी, सोनी पाण्डेय, उमेश मिश्र, सुयश मिश्र, अनुराग, अभय श्रीवास्तव, जर्नादन मिश्र, दीपक, आदित्य कुमार पाठक, कुलदीप, उत्ज्वल, कमल किशोर, श्रवण कुमार मिश्र सहित हजारों की संख्या में छात्र–छात्राएं कई लोग उपस्थित रहे।

कालेज प्रबन्धक सुशील कुमार मिश्र की अध्यक्षता में एवं डॉ0 अभय शंकर मिश्र के संचालन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

खतरे का निशान लांघ 92.880 पहुंचा सरयू का जलस्तर

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

विभिन्न बैराजों से छोड़े गए पानी और बारिश के चलते सरयू नदी तेजी से उफना रही है नदी का जलस्तर खतरे के निशान 92.730 सेंटीमीटर को लांघ 15 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार जलस्तर में लगातार दस सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हो रही है। इसके चलते जिले की तीन तहसीलों में बाढ़ के खतरे की घंटी बज गई है।

केन्द्रीय जल आयोग अयोध्या के अनुसार नदी का जलस्तर बुधवार शाम पांच बजे खतरे के निशान 92.730 मीटर से पांच सेंटीमीटर ऊपर 92.780 मीटर पर पहुंच गया है, जो शाम छह बजे बढ़कर 92.81 मीटर हो गया अनुमान है कि नदी का जलस्तर अगले कुछ घंटों में और तेजी से बढ़ेगा, गुरुवार सुबह आठ बजे जहां जलस्तर 92.870 था वहीं नौ बजे 92.880 पहुंच गया है वहीं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खतरा बढ़ गया है प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है जिला आपदा प्रबंधन की ओर से रुदौली, सोहावल और सदर के एसडीएम और तहसीलदारों को प्रभावित होने वाले गांवों में मूवमेंट के लिए कहा गया है प्रबंधन की ओर से तीन बजे तक प्रभावित होने वाले गांवों की ताजा रिपोर्ट मांगी गई है।

अयोध्या समाजवादी पार्टी ने पूरे अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में जन पंचायत का आयोजन किया

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।समाजवादी पार्टी अयोध्या विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्रों में जन पंचायत का आयोजन किया आयोजन में पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन मुख्य रूप से मौजूद रहे नंबर 1 ताहिर पुर बरौनी मे आयोजक तरजीत गोड़,2 समेसा में आयोजक संजय पांडे 3 गोविंदपुर में पंकज शर्मा 4 अंजना भवानीपुर में आयोजक नंद कुमार यादव 5 अट रावा में आयोजक उदल यादव 6 में ग्राम में मुहा सिमपुर में आयोजक गोपी वर्मा 7 समाहा खुर्द मे आयोजक धर्मवीर यादव ने किया महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा किए गए कामों को जनता के बीच में जाकर बताया एवं वर्तमान में प्रदेश सरकार की नाकामियों एवं जनता की परेशानी की जानकारी लेकर इसके निराकरण के लिए जिले के अधिकारियों से संपर्क करने के लिए कहा इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहां आज सरकार में बेरोजगारी चरम सीमा पर है नौजवान किसान व्यापारी सभी वर्ग के लोग परेशान आज अयोध्या के व्यापारी दुकान के टूट जाने से भुखमरी की कगार पर खड़ा है जिन की सुध लेने वाला कोई नहीं है।

उन्होंने परिक्रमा पथ पर हो रहे चौड़ीकरण के जद में आए हुए वहां के निवासियों एवं व्यापारियों का बुरा हाल है उनको मुआवजे के नाम पर बहुत कम पैसा दिया जा रहा है पूरे अयोध्या की सड़कों गलियों को खोदे जाने से सड़क पर चलना दूभर हो कई जगह पाइप लाइन कट जाने से लोगों को पानी नहीं मिल रहा पा रहा है स्कूल के बच्चे घंटो जाम में फंसे रहते हैं जिससे लोग परेशान हैं आज प्रदेश में भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा पर है इस मौके पर सपा विधानसभा अध्यक्ष रक्षा राम यादव ब्लॉक अध्यक्ष तरजीत गौड़ उपाध्यक्ष राजेश पटेल, शिव बरन यादव पप्पू पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ता आदि लोग मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक की अनुपालन आख्या पर प्रस्तुत की गयी। इस दौरान अवगत कराया गया कि जनपद में 12 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये जिसमें सड़क सुरक्षा सम्बंधी कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने चिन्हित ब्लैक स्पॉटों पर आवश्यकतानुसार जर्सी बैरियर लाइटिंग, जेब्रा क्रासिंग व अन्य आवश्यक सुरक्षा सम्बंधी रोड फर्नीचर तत्काल लगवाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित अन्य सम्बंधित विभागों को आपेक्षित समय में ब्लैक स्पॉट को ठीक कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एनएचएआई पर अवैध कट कहीं न हो, रघुकुल रेस्टोरेंट के सामने कट को बंद करने का स्थायी समाधान किया जाये। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति विद्यालयों, कालेजों में बच्चों को योजनाबद्ध तरीके से निरन्तर जागरूक किया जाये। सड़क सुरक्षा सड़क दुर्घटना से बचाव आदि सम्बंधी जागरूकता साहित्यों की प्रचार सामग्री को शिक्षण संसाधनों में उपलब्ध कराये तथा उनके प्रवेश द्वार पर लगाये जाए। सड़क दुर्घटना में घायलों को गोल्डेन आवर में ही चिकित्सालय तक पहुंचाने हेतु प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिये।सड़क दुर्घटना के लम्बित दावों को सम्बंधित बीमा कम्पनी से समन्वय कर निस्तारित करायें,

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, आरटीओ, एसपी ट्रेफिक, अपर नगर आयुक्त सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

घर बनाने आई स्त्री को मालकिन से हुआ प्यार, दोनों फरार

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।इसमें न तो सामने वाले को उंच–नीच का फर्क दिखता न ही जाति और धर्म का,कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है जहां घर बनाने आये राजमिस्त्री को उस घर की मालकिन न केवल दिल दे बैठी बल्कि साथ में भाग भी गई, खास बात ये है कि जाते–जाते वो अपने साथ सारा माल भी ले गई। मामला यूपी के अयोध्या से जुड़ा है, रुदौली के रसूलपुर मजरे हयातनगर में हुई इस घटना के बारे में बताया जा रहा है कि प्रधान से लेकर ब्लॉक तक के चक्कर लगाने के बाद एक शख्स जिसकी बीवी फरार हुई है का प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ। प्रधानमंत्री आवास मिलते ही उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा लेकिन यह खुशी ज्यादा दिन टिक नहीं सकी, मकान का निर्माण शुरू होते ही लाभार्थी रामू यादव की जीवन साथी उसे छोड़कर फरार हो गई,

इस घटना के बाद पति इतना शर्मसार है कि 1 हफ्ते बीत जाने के बाद भी अभी अपने घर वापस नहीं लौटा है, रामू यादव की भाभी ने बताया कि रुदौली क्षेत्र के ही नेवरा का रहने वाला राजगीर मिस्त्री घर बना रहा था और उसी में रह भी रहा था, धीरे–धीरे उसके संबंध उसकी देवरानी से हुए और फिर राजगीर देवरानी पति की मोटरसाइकिल जेवर और कुछ पैसे लेकर फरार हो गई, मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और पत्नी की तलाश कर रही है।

'पुरानी पेंशन महारैली में प्रतिभाग करने के लिए शिक्षको का जत्था नई दिल्ली रवाना'।

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या। पुरानी पेंशन बहाली योजना संयुक्त मंच के तत्वाधान में पुरानी पेंशन बहाली के महा रैली में प्रतिभाग करने के लिए प्राथमिक शिक्षक संघ बीकापुर के ब्लॉक अध्यक्ष प्रिय कांत पांडेय,मंत्री डी डी उपाध्याय,कोषाध्यक्ष गुलाब चंद्र,दंगल सिंह, साजिद हुसैन, मनोज सिंह, सुख नंदन यादव, अमरेंद्र भूषण सहित बीकापुर ब्लॉक से दर्जनों शिक्षक राम लीला मैदान दिल्ली के लिए रवाना हो गए है।

जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति की बैठक हुई सम्पन्न

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कलेक्ट्रेट समागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति की बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने दिनांक 22 जुलाई 2023 को रोपित किये गये पौधों की सुरक्षा, सिंचाई रख रखाव का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। उन्होंने शेष सभी विभागों को 100 प्रतिशत टैगिंग कराने के निर्देश दिये। 15 अगस्त 2023 को वृक्षारोपण हेतु पौधों का उठान प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित कर लें। किसी प्रकार की समस्या होने पर कन्ट्रोल रूम नम्बर 9454843277 पर सम्पर्क कर सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार वृक्षारोपण गणना पंजिका निर्धारित प्रारूप पर तैयार कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में वृक्षारोपण अभियान 2023–24 हेतु निर्धारित पौधरोपण के लक्ष्य 40,72,680 के सापेक्ष दिनांक 22 जुलाई को 34,38,984 पौधे रोपित किये जा चुके है, शेष 633696 पौधों को 15 अगस्त 2023 को रोपित किया जायेगा। जिलाधिकारी ने रोपित पौधों को सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड भी लगवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव, प्रभागीय वनाधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, डीसी मनरेगा सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।